E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 134 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 13 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सड़क हादसों के गंदे रिकॉर्ड के चलते विश्व सम्मेलनों में मुंह छिपाना पड़ता है : गडकरी पेज 2
एडवांटेज असम 2.0 को लेकर तैयारी बैठक आयोजित पेज 3
आमरण अनशन पर बैठे डल्लेवाल ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र पेज 5
आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने ब्रिसबेन ओलंपिक की सीईओ सिंडी... पेज 7

एक देश, एक चुनाव का रास्ता साफ

मोदी कैबिनेट ने दी बिल को मंजूरी

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने गुरुवार को कैबिनेट बैठक में *एक देश, एक चुनाव* विधेयक को मंजूरी दे दी है। सूत्रों के अनुसार, अब सरकार इस बिल को संसद के पटल पर पेश कर सकती है। इस विधेयक को अगले सप्ताह शीतकालीन सत्र के दौरान सदन में लाए जाने की संभावना जताई जा रही है। सबसे पहले, जेपीसी (संसदीय संयुक्त समिति) का गठन किया जाएगा, जिसमें सभी राजनीतिक दलों के सुझाव लिए जाएंगे। इसके बाद इस विधेयक को संसद में पेश किया जाएगा और इसे पास करवाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इससे पहले, रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने एक देश, एक चुनाव से संबंधित अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी थी। सूत्रों के मुताबिक, सरकार एक देश, एक चुनाव विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने की योजना बना रही है, ताकि इस पर लंबी चर्चा हो सके और आम सहमति बनाई जा सके। जेपीसी इस प्रस्ताव पर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा करेगी और सामूहिक सहमति की आवश्यकता पर जोर देगी। वर्तमान में देश के अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग समय पर चुनाव होते हैं। यह विधेयक कानून बनने के बाद पूरे देश में एक साथ चुनाव कराए जाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। हालांकि, सरकार के इस कदम का कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) जैसी कई इंडिया ब्लॉक पार्टियों ने विरोध किया है। विपक्ष का आरोप है कि इससे केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी को राजनीतिक फायदा होगा। दूसरी ओर, नीतीश कुमार की जेडी(यू) और चिराग पासवान जैसे प्रमुख एनडीए सहयोगियों ने एक साथ चुनाव कराने के इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। सूत्रों के अनुसार, सभी राज्य विधानसभाओं के अध्यक्षों को बुद्धिजीवियों, विशेषज्ञों और सिविल सोसायटी के सदस्यों के साथ अपने विचार साझा करने के लिए कहा जाएगा। इसके साथ ही, आम जनता से भी सुझाव मांगे जाएंगे, जिससे निर्णय प्रक्रिया में समावेशिता और पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा। विधेयक के प्रमुख पहलुओं में इसके लाभों और देशभर में एक साथ चुनाव कराने के लिए आवश्यक कार्यप्रणाली पर विस्तार से विचार किया जाएगा। संभावित चुनौतियों का समाधान खोजा जाएगा और विभिन्न दृष्टिकोणों को एकत्रित किया जाएगा। एक देश, एक चुनाव को बार-बार होने वाले चुनावों से जुड़ी लागत और व्यवधानों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण सुधार के रूप में देखा जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि एक देश, एक चुनाव -शेष पृष्ठ दो पर

वन नेशन वन इलेक्शन पर नेताओं की मिली-जुली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की गुरुवार को अहम बैठक हुई। बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने *एक देश-एक चुनाव* विधेयक को मंजूरी दी। अब सरकार इस प्रस्ताव को सदन में पेश कर सकती है। इस प्रस्ताव पर विभिन्न सियासी दलों के नेताओं की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आई हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता अनिल देसाई ने इस प्रस्ताव पर चिंता जताई और कहा कि एक देश-एक चुनाव देश के लिए अच्छा हो -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम हिमंत ने जताया समर्थन

पुरी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यहां श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और *एक राष्ट्र, एक चुनाव* पहल सहित भारत से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। मंदिर दर्शन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि आज ओडिशा में भाजपा सरकार के छह महीने पूरे हो गए हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

भारतीय और घुसपैठियों को अलग करने के लिए एनआरसी जरूरी : मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा

भुवनेश्वर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा कि भारतीयों और घुसपैठियों को अलग करने के लिए एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) जैसा दस्तावेज तैयार करना जरूरी है। पुरी में जगन्नाथ मंदिर के दर्शन के बाद शर्मा ने कहा कि असम सरकार ने फैसला किया है कि राज्य में आधार कार्ड प्राप्त करने के लिए किसी भी व्यक्ति को अपना नाम एनआरसी में पंजीकृत कराना होगा। अगर आवेदक का नाम एनआरसी में नहीं होगा तो उसे आधार कार्ड नहीं मिलेगा। शर्मा ने कहा कि एनआरसी जैसे दस्तावेज तैयार किए जाने चाहिए ताकि आसानी से पहचान की जा सके कि कौन भारतीय है और कौन घुसपैठिया है। उन्होंने कहा कि असम और पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाना -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी रेलवे स्टेशन और विवि को मिलि बम से उड़ाने की धमकी

गुवाहाटी। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन और गुवाहाटी विश्वविद्यालय परिसर में सात अन्य स्थानों पर आज (12 दिसंबर) बम की धमकी मिली। गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त दिगंत बोरा ने कहा कि शिलांग में मेघालय पुलिस नियंत्रण कक्ष को एक कॉल मिली जिसमें कहा गया था कि गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर बम रखा जा सकता है। उन्होंने मीडिया को बताया कि इसके अनुसार, हमने मेघालय पुलिस के साथ जांच शुरू की और स्टेशन पर एहतियाती उपाय भी किए। हमें अभी तक ऐसी कोई वस्तु नहीं मिली है। स्टेशन पर तलाशी और सैनिटाइजेशन अभियान गुवाहाटी पुलिस, राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया। बोरा ने बताया कि असम पुलिस को एक ईमेल भी मिला है, जिसमें दावा किया गया है कि विश्वविद्यालय परिसर में सात जगहों पर बम रखे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेल -शेष पृष्ठ दो पर

एनआईए और एसटीएफ ने जेईएम से जुड़े चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया

ग्वालपाड़ा। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के साथ संदिग्ध संबंधों के चलते असम के ग्वालपाड़ा जिले से चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एनआईए की टीम ने असम एसटीएफ के साथ मिलकर ग्वालपाड़ा जिले में कई स्थानों पर छापेमारी की और जैश-ए-मोहम्मद मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया। असम पुलिस के सूत्रों ने बताया कि जयनाल आबेदीन, शाहनूर आलम, अबू तालेब और शाहनूर इस्लाम के रूप में पहचाने गए संदिग्धों को हंसिलापारा, बरपहाड़, बलबाला और टुकड़े में रात में की गई छापेमारी के दौरान पकड़ा गया। कुछ महीने पहले एक मुफ़्ती, शेख सुल्तान सल्लूदीन अयूबी को जेईएम से पैसे मिले थे और उसे कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद के खातों की ओर से मनी लॉन्ड्रिंग के सिलसिले में एनआईए दिल्ली ने गिरफ्तार किया था। जयनाल एक मस्जिद में मौलवी है। एनआईए ने हाल ही में आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने के अपने प्रयास के तहत असम सहित भारत भर में 19 स्थानों पर छापेमारी की थी। ये जांच युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और क्षेत्र में चरमपंथी विचारधाराओं को स्थापित करने के लिए काम करने वाले मॉड्यूल पर केंद्रित है। 5 अक्तूबर को, एनआईए ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों के साथ कथित संबंधों के लिए असम से कुछ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनमें से नौ ग्वालपाड़ा से थे। बताया जा रहा है कि जैनल आवेदिन टुकड़े के मिलनपाड़ा में माजिद के इमाम हैं, अबू तालेप गोलपारा के बोर हिल्स के रहने वाले हैं और -शेष पृष्ठ दो पर

धार्मिक स्थलों पर न ही नए मुकदमे दायर होंगे और न ही सर्वेक्षण किया जाएगा : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को निर्देश दिया कि धार्मिक स्थलों या तीर्थस्थलों के संबंध में कोई नया मुकदमा दर्ज नहीं किया जा सकता है या जिला अदालतों द्वारा सर्वेक्षण का आदेश तब तक नहीं दिया जा सकता है जब तक कि उपासना स्थल अधिनियम, 1991 की वैधता से संबंधित मामला उसके समक्ष लंबित है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि जब मामला इस अदालत के समक्ष विचाराधीन है तो क्या अन्य लोगों के लिए इस पर अपना हाथ नहीं डालना उचित नहीं होगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि हालांकि नए मुकदमे दायर किए जा सकते हैं, लेकिन उन्हें पंजीकृत नहीं किया जाएगा और जिला अदालतों द्वारा कोई प्रभावी आदेश -शेष पृष्ठ दो पर

मुस्लिम संगठनों ने फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली (हि.स.)। देश के सभी बड़े मुस्लिम संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट के पूजा स्थल सूरक्षा कानून पर आज आए अंतरिम फैसले का स्वागत किया है। साथ ही आशा व्यक्त की है कि इससे न केवल शांति व्यवस्था मजबूत होगी बल्कि एकता और भाईचारे को खंडित के लिए की जा रही सांप्रदायिक शक्तियों को भी धक्का लगेगा। सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम फैसले का -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

शक्तिशाली राजा लाभ को प्राप्त करने का प्रयत्न करता है।

- आचार्य चाणक्य

असम सरकार के नो एनआरसी, नो आधार नियम का जेपीसी अध्यक्ष ने किया समर्थन

नई दिल्ली। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने असम सरकार की नई स्वीकृत नीति के लिए पूर्ण समर्थन व्यक्त किया है, जिसके अनुसार आधार कार्ड आवेदन के लिए पात्र होने के लिए व्यक्तियों को राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) में शामिल होने के लिए आवेदन करना होगा। बुधवार को असम के मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य में केवल कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त भारतीय -शेष पृष्ठ दो पर

टीएमसी के बाद सपा का राग...

अखिलेश यादव करें इंडिया ब्लॉक को लीड

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के बाद अब समाजवादी पार्टी ने भी इंडिया ब्लॉक को लीड करने का राग अलाप दिया है। सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा कि हम चाहते हैं कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को इंडिया ब्लॉक कॉर्डिनेशन कमेटी का संयोजक बनाया जाए ताकि हम अपने प्रदेश के मुद्दों को प्राथमिकता से उठा सके। इससे पहले टीएमसी चीफ ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन को लीड करने की बात कही थी। हाल ही में ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा था कि अगर उन्हें मौका मिलता तो वह इसके लिए तैयार हैं। इसके बाद विपक्षी दलों में इसको लेकर घमासान मच गया। कुछ दलों ने ममता का सपोर्ट किया। शरद पवार की एनसीपी, लालू यादव की आरजेडी ममता का समर्थन किया। शरद पवार ने कहा कि ममता बनर्जी में इंडिया का नेतृत्व करने की क्षमता है। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य की स्थिति नाजुक है, स्थायी समाधान में समय लगेगा : सीएम

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार पिछले डेढ़ साल से जारी संकट से निपटने के लिए स्थाई समाधान लाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की स्थिति नाजूक होने के कारण इसमें समय लग सकता है। नुपी लान को याद करते हुए एक कार्यक्रम में सीएम बीरेन सिंह ने बताया कि राज्य सरकार ने केंद्र से पुलिस स्टेशनों से अफस्पा को हटाने की भी अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम बीरेन -शेष पृष्ठ दो पर

गौ माता की जय! **समाज के नाम खुला पत्र** गौ माता की जय!

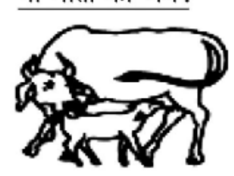

अध्यक्ष / चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड / चुनाव अधिकारी महोदय
श्री गौहाटी गौशाला, आठगांव गुवाहाटी

महोदय

श्री गौहाटी गौशला की साधारण सभा एवं चुनाव "22 दिसंम्बर 2024" को होने जा रहे है। उपरोक्त दोनों विषयों पर आपके निम्नलिखीत विचारार्थ –

(1) साधारण सभा की अधिसूचना में श्री गौहाटी गौशाला नियमावली की धारा 9 (ङ) जिसके अनुसार कोई लिखीत सुझाव कम से कम पाँच दिन पूर्व प्राप्त होने पर उसे सभा के समझ प्रस्तुत करना अनिवार्य रूप से होना चाहिए था, जो कि नहीं किया गया यह नियमावली का उल्लघंन है।

(2) दानदाता सदस्यों / प्रतिनिधियों का नाम परिवर्तन किस नियम और प्रक्रिया के माध्यम से हुआ है? उसका सम्पूर्ण विवरण देवें।

(3) कार्यकारिणी समिति के चुनाव नियमावली एवं निर्देशका 2024-2027 कौन-सी नियमावली उपसमिति द्वारा प्रस्तुत किया गया उसका सम्पूर्ण विवरण देवें।

(4) "22 DEC 2024" को होने जा रहे चुनावों में नामांकन भरने की अंतिम तिथी 6th DEC 2024 को थी। नामांकनपत्र भरने के साथ विभिन्न श्रेणियों की प्रकाशित मतदाता सूची के अवलोकन के पश्चात कुछ विसंगतियाँ उजागर होती हैं, जैसे कि साधारण श्रेणी की मतदाता सूची में 31-3-24 तक के सदस्यों के नाम हैं, पर संरक्षक और आजीवन श्रेणी की मतदाता सूची में कोई भी विवरण नहीं मिलता। गत वर्ष की स्मारिका का इन श्रेणियों की मतदाता सूची से मेल नहीं खाता। श्री गौहाटी गौशाला की नियमावली की धारा 17 (ख); कार्यकारिणी के चुनाव के लिए पिछले वर्ष के 31 मार्च / चालू वर्ष के जो भी लागू हो को आधार वर्ष जाना जाएगा जो सभी श्रेणियों के लिए लागू होंगी। विभिन्न श्रेणियों के आधार वर्ष एवं तारिख भिन्न नहीं हो सकती, यह नियमावली के विरूद्ध है। एक संस्था दो विधान नहीं हो सकते। यह गैर कानूनी एवं असंवैधानिक कार्य है। इससे सारी प्रक्रिया अवैध हो सकती है।

इस पत्र के माध्यम से हम अनुरोध करते हैं कि मतदाता सूची का आधार वर्ष 31-3-24 तक के सदस्यों का नाम मतदाता सूची में हो अन्यथा यह कार्य अनैतिक, गैर कानूनी, असंवैधानिक एवं श्री गौहाटी गौशाला के नियमावली का उल्लघंन है।

अत: आप सभी महानुभावों से निवेदन है कि तत्काल इन मतदातासूचियों को रद्द करके तीनों श्रेणियों के संशोधित मतदाता सूची को धारा 17-ख (31-3-2024 आधार वर्ष)की नियमावली के अनुसार प्रकाशित करके निष्पक्ष चुनाव करवाने की व्यस्था करें अन्यथा हम लोगों को कानूनी र्कावाई करने के लिए बाध्य होना होगा। *सधन्यवाद!*

विनीत

बिकास गुप्ता, शिव भीमसरिया, जगदीश हरलालका
एवं श्री गौहाटी गौशाला के सदस्य (व अन्य)

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सड़क हादसों के गंदे रिकॉर्ड के चलते विश्व सम्मेलनों में मुंह छिपाना पड़ता है : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकसभा में कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को लेकर भारत का रिकॉर्ड इतना *गंदा* है कि उन्हें विश्व सम्मेलनों में मुंह छिपाना पड़ता है। उन्होंने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि उनके मंत्रालय के तमाम प्रयासों के बावजूद सड़क हादसों में कमी नहीं आई, बल्कि इसमें वृद्धि हो गई। गडकरी ने कहा कि जब तक समाज का सहयोग नहीं मिलेगा, मानवीय व्यवहार नहीं बदलेगा और कानून का डर नहीं होगा, तब तक सड़क हादसों पर अंकुश नहीं लगेगा। उनके अनुसार, देश में सड़क हादसों की संख्या लगातार बढ़ रही है और हर साल 1.7 लाख से अधिक लोगों की मौत ऐसी दुर्घटनाओं में हो जाती है। गडकरी ने कहा कि इतने लोग न लड़ाई में मरते हैं, न कोविड में मरते हैं और न ही दंगे में मरते हैं। उन्होंने कहा कि मैं विश्व सम्मेलनों में जाता हूं तो मुंह छिपाता हूं। (दुर्घटनाओं का) सबसे गंदा रिकॉर्ड हमारा है। उन्होंने सांसदों से कहा कि वे सड़क हादसों को रोकने के लिए अपने स्तर पर प्रयास करें और परिवहन विभाग के सहयोग से स्कूलों आदि में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करें। गडकरी के मुताबिक, नीति आयोग की रिपोर्ट है कि सड़क हादसों के शिकार 30 प्रतिशत लोगों की मौत जीवन रक्षक उपचार नहीं मिल पाने के कारण होती है। उन्होंने कहा कि इसलिए उपचार के लिए कैशलैस योजना लाई गई है। उत्तर प्रदेश में इस पायलट परियोजना की शुरुआत हो रही है, इसके बाद पूरे देश में लागू की जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने भारत में ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की प्रणाली में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया में जहां आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस मिलता है, उस देश का नाम भारत है।

विजय दिवस समारोह में शामिल हो सकते हैं बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल

कोलकाता। बांग्लादेश का एक प्रतिनिधिमंडल 16 दिसंबर को कोलकाता के फोर्ट विलियम में होने वाले विजय दिवस समारोह में भाग ले सकता है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि समारोह में मुक्ति योद्धा भी भाग ले सकते हैं। ये वो योद्धा हैं, जिन्होंने 1971 में पूर्वी पाकिस्तान की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी थी। 16 दिसंबर 1971 को भारतीय सेना के सामने पूर्वी पाकिस्तान के 93,000 सैनिकों ने आत्म-समर्णप कर दिया था। इसके साथ ही बांग्लादेश का जन्म हुआ था। मुक्ति योद्धाओं का प्रतिनिधिमंडल हर साल भारतीय सेना के पूर्वी कमान की ओर से कोलकाता में आयोजित होने वाले विजय दिवस समारोह में भाग लेता है।

द *साबरमती रिपोर्ट* की स्क्रीनिंग
जेएनयू में पत्थरबाजी फिल्म के पोस्टर फाड़े गए

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में विक्रांत मैसी स्टारर द *साबरमती रिपोर्ट* की स्क्रीनिंग के दौरान पथराव हुआ। एबीवीपी ने आरोप लगाया कि वामपंथी विचारधारा वाले छात्र हमेशा एबीवीपी के कार्यक्रमों में बाधा डालते हैं और आज भी उनके द्वारा व्यवधान और पथराव किया गया। अनजान लोगों के लिए, विक्रांत मैसी, राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा की विशेषता वाली द साबरमती रिपोर्ट जेएनयू में प्रदर्शित की जा रही थी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में हाल ही में रिलीज हुई विक्रांत मैसी स्टारर फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की स्क्रीनिंग कर रही थी। इस दौरान जेएनयू में साबरमती फिल्म की स्क्रीनिंग को लेकर बड़ा हंगामा हुआ है। फिल्म की स्क्रीनिंग के विरोध में फिल्म के पोस्टर फाड़ दिए गए। मिली जानकारी के मुताबिक साबरमती फिल्म का पोस्टर फाड़ने के बाद पथराव की भी खबर सामने आई है। साबरमती रिपोर्ट एक ऐसी फिल्म है जिसने हाल ही में देशभर में खूब चर्चा बटोरी है। यह फिल्म 2002 के गुजरात दंगों की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दा उठाया गया है। फिल्म रिलीज के बाद से ही विवादों में है। कुछ लोगों ने फिल्म को एकतरफा बताया है तो कुछ लोगों ने इसकी तारीफ की है। वहीं कई राज्यों ने इस फिल्म को टैक्स फ्री घोषित कर दिया है। यह फिल्म 2002 में साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में लगी आग की घटना और उसके बाद हुए दंगों की जांच पर केंद्रित है।

धुबड़ी से भारी मात्रा में बर्मीज सुपारी जब्त

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के छगलिया में पुलिस छापामारी में बर्मीज (म्यांमार) सुपारी से लदे एक कंटेनर को जब्त किया गया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि सुपारी के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। जब्त कंटेनर (एनएल-01 एजी- 8523) से भारी मात्रा में बर्मीज सुपारी बरामद की गई। मणिपुर की राजधानी इंफाल से पश्चिम बंगाल जा रहे ट्रक को पुलिस ने छगलिया में नेशनल हाईवे 17 पर जब्त कर लिया। ट्रक चालक को भी पुलिस ने इस दौरान गिरफ्तार कर लिया। चालक की पहचान दिलावर हुसैन के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दिलावर हुसैन नगांव के जामुनगांव का निवासी है।

बाइडेन ने एक दिन में 39 लोगों को माफी दी, लगभग 1500 लोगों की सजा कम की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के दौरान जेल से रिहा कर घर में नजरबंद किए गए लगभग 1,500 कैदियों की सजा कम कर दी और अहिंसक अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए 39 अमेरिकियों को माफी प्रदान की। आधुनिक इतिहास में एक दिन में की गई यह सबसे बड़ी क्षमादान कार्रवाई है। बाइडन ने गुरुवार को सजा कम करने की घोषणा की और यह आदेश उन लोगों पर लागू होगा, जिन्होंने रिहा होने के बाद कम से कम एक साल तक घर में नजरबंद रहने की सजा काटी है। एसोसिएटेड प्रेस के पास मौजूद आंकड़ों के अनुसार, जेल में वायरस फैलने का खतरा बहुत ज्यादा था और वायरस के प्रसार को रोकने के लिए कुछ कैदियों को रिहा कर उन्हें घर में नजरबंद रखा गया था। एक समय ऐसा था जब पांच में से एक कैदी को कोरोनावायरस था। बाइडन ने कहा कि वह आने वाले सप्ताह में और कदम उठाएंगे तथा क्षमादान याचिकाओं की समीक्षा करना जारी रखेंगे। अमेरिका के इतिहास में क्षमादान की दूसरी सबसे बड़ी कार्रवाई बराक ओबामा के शासनकाल में हुई थी। ओबामा ने 2017 में 330 आरोपियों को माफ किया था। बाइडन ने एक बयान में कहा कि अमेरिका का निर्माण संभावना और दूसरा अवसर देने पर आधारित है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के रूप में मुझे उन लोगों पर दया दिखाने का सौभाग्य मिला है, जिन्होंने पश्चाताप और पुनर्वास की क्षमता दिखाई है।

देश में एएसआई संरक्षित 92 स्मारक गायब

नई दिल्ली (हि.स.)। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की निष्पादन लेखा परीक्षा रिपोर्ट (2013 का 18) में कहा गया है कि भारत के 92 संरक्षित स्मारक गायब हैं। यह जानकारी केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज राज्य सभा में एक लिखित उत्तर में दी। मंत्री ने बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा अपने विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से किए गए बाद के सर्वेक्षण से पता चला है कि 18 संरक्षित स्मारक और स्थल संरक्षण की अच्छी स्थिति नहीं हैं। सर्वेक्षण के दौरान एएसआई के क्षेत्रीय कार्यालयों ने पता लगाया कि तेजी से शहरीकरण के कारण स्मारकों पर दबाव एक बड़ी चुनौती है। इसके अलावा, मल्टी-टास्किंग स्टाफ, निजी सुरक्षा गार्ड और सीआईएसएफ के माध्यम से स्मारकों की देखभाल और निगरानी की जाती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहा है जल जीवन मिशन : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि जल जीवन मिशन, विशेष रूप से हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि घर पर ही स्वच्छ जल की उपलब्धता होने से महिलाएं अब कौशल विकास और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित कर सकती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि यह एक अच्छा परिदृश्य है कि किस प्रकार से जल जीवन मिशन महिला सशक्तिकरण को विशेष रूप से हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में आगे बढ़ा रहा है। अपने घर में ही स्वच्छ जल की उपलब्धता होने से महिलाएं अब कौशल विकास और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित कर सकती हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2019 को जल जीवन मिशन की शुरुआत की थी। इसका लक्ष्य 2024 तक हर ग्रामीण घर में नल का पानी पहुंचाना था। इसकी शुरुआत के समय, केवल 3.23 करोड़ (17 प्रतिशत) ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन थे। जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार, 6 अक्तूबर, 2024 तक, जल जीवन मिशन ने 11.95 करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन सफलतापूर्वक प्रदान किए हैं, जिससे कुल कवरेज 15.19 करोड़ से अधिक घरों तक पहुंच गई है, जो भारत के सभी ग्रामीण घरों का 78.58 प्रतिशत है। मिशन ने एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल कर लिया है, जिसने ग्रामीण लोगों के जीवन को उनके घरों में पीने योग्य पानी तक विश्वसनीय पहुंच प्रदान करके गहरा प्रभाव डाला है।

पृष्ठ एक का शेष

एक देश, एक चुनाव ...

विधेयक के लिए व्यापक समर्थन हासिल किया जाए। हालांकि, इस प्रस्ताव को लेकर राजनीतिक बहस तेज होने की संभावना है। विपक्षी दल इस विधेयक की व्यवहार्यता और इसके प्रभावों पर सवाल खड़ा कर सकते हैं। इससे पहले बुधवार को भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा कि केंद्र सरकार को एक राष्ट्र, एक चुनाव पहल पर आम सहमति बनानी चाहिए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह मुद्दा राजनीतिक हितों से परे है और पूरे देश की सेवा करता है। मुद्दे पर समिति की अध्यक्षता कर रहे कोविंद ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि केंद्र सरकार को आम सहमति बनानी होगी। यह मुद्दा किसी पार्टी के हित में नहीं बल्कि राष्ट्र के हित में है। यह (एक राष्ट्र, एक चुनाव) गेम चेंजर साबित होगा - यह मेरी राय नहीं, बल्कि अर्थशास्त्रियों की राय है, जो मानते हैं कि इसके लागू होने के बाद देश की जीडीपी 1-1.5 प्रतिशत बढ़ जाएगी। गौरतलब है कि इस साल सितंबर में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिसका उद्देश्य 100 दिनों के भीतर शहरी निकाय और पंचायत चुनावों के साथ-साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराना है। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट में ये सिफारिशें प्रस्तुत की गई थीं। उधर कैबिनेट की मंजूरी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस निर्णय की सराहना करते हुए इसे भारत के लोकतंत्र को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि मंत्रिमंडल ने एक साथ चुनाव कराने संबंधी उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। मैं इस प्रयास की अगुवाई करने और विभिन्न हितधारकों से परामर्श करने के लिए हमारे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी की सराहना करता हूं। यह हमारे लोकतंत्र को और अधिक जीवंत और सहभागी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस बीच, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को राज्य विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव एक साथ कराने का समर्थन करते हुए तर्क दिया कि बार-बार चुनाव कराने से समय और सार्वजनिक धन की काफी बर्बादी होती है। चौहान ने कहा कि बार-बार चुनाव होने से लोक कल्याणकारी कार्यक्रम बाधित होते हैं और परिणामस्वरूप सार्वजनिक धन का भारी व्यय होता है।

वन नेशन वन इलेक्शन पर...

सकता है। लेकिन क्या चुनाव आयोग, प्रशासन और पुलिस के पास इसे लागू करने की क्षमता है? हमारे पास उचित बुनियादी ढांचा भी नहीं है। झारखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव भी एक साथ नहीं कराए जा सके। वहीं, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी को जेपी नड्डा और निशिकांत दुबे द्वारा उठाए गए सवालों से क्यों घबराहट हो रही है? कांग्रेस को जॉर्ज सोरोस के साथ अपने संबंध स्पष्ट करने चाहिए और यह बताना चाहिए कि उनके साथ कौन से समझौते किए हैं। इस मामले को दबाने के लिए उन्होंने एक और बेकार मुद्दा उठा दिया है। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि एक देश-चुनाव बहुत जरूरी है, क्योंकि हर छह महीने में चुनाव कराने से सरकार के खजाने पर दबाव पड़ता है। सबसे बड़ी चुनौती लोगों को बार-बार वोट देने के लिए बाहर लाना है। मत प्रतिशत हर साल घट रहा है। यह समय की जरूरत है और सभी इसे समर्थन दे रहे हैं। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि हम विधेयक का मसौदा देखने के बाद ही इस पर टिप्पणी करेंगे। अगर हमें कुछ गलत लगा, तो विपक्ष इसे पारित नहीं होने देगा। हम समझते हैं कि इससे समय की बचत होगी। लेकिन यह कैसे जीडीपी को 1.5 फीसदी तक बढ़ाएगा, यह समझ नहीं आता। कांग्रेस के बी.के. हरिप्रसाद ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे जम्मू और कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के चार चुनाव एक साथ नहीं करा पाए और अब वे 31 राज्यों की विधानसभाओं और 545 लोकसभा सीटों के चुनाव एक सात करने की बात कर रहे हैं। यह हास्यास्पद है। वे (अरबपति कारोबारी गौतम) अदाणी के भ्रष्टाचार और मणिपुर के मुद्दों से ध्यान भटकाना चाहते हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी इस प्रस्ताव पर अपनी राय व्यक्त करेत हुए कहा कि हम इस विधेयक के संसद में पेश होने का इंतजार करेंगे। यह कैसे लागू होगा, खर्च कितना होगा, कितने और ईवीएम लगाए जाएंगे और सभी व्यवस्थाएं कैसे की जाएंगी, यह एक लंबी प्रक्रिया है। कांग्रेस सांसद के. सुरेश ने कहा कि हमें नहीं पता था कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक देश एक चुनाव विधेयक को मंजूरी दी है। हमें इसके बार में मीडिया से पता चला।

सीएम हिमंत ने ...

मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने का अवसर मिला। मैं ओडिशा के लोगों को बधाई देता हूं और दुनिया में शांति, भारत में खुशहाली और सभी की भलाई के लिए प्रार्थना करता हूं। शर्मा ने पड़ोसी बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा पर भी गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले बेहद चिंताजनक हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों में अल्पसंख्यक समुदाय सुरक्षित नहीं हैं। इसके विपरीत, भारत उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करता है। मुझे पूरा भरोसा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कूटनीतिक समाधान निकालेंगे। असम की बांग्लादेश से निकटता पर प्रकाश डालते हुए शर्मा ने कहा कि सीमावर्ती राज्य होने के नाते हम विशेष रूप से चिंतित हैं। हमारे प्रधानमंत्री पहले ही विदेश सचिव को बांग्लादेश भेज चुके हैं। हम अपने हिंदू भाइयों के साथ मजबूती से खड़े हैं और जल्द ही समाधान की उम्मीद करते हैं। असम के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस ने कभी भी हिंदुओं का समर्थन नहीं किया है। वे अस्थिरता पैदा करने में सफल होते हैं और हिंदू समाज की सुरक्षा के लिए काम नहीं करेंगे। एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक का समर्थन करते हुए शर्मा ने इसके संभावित लाभों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि ओडिशा विधानसभा और संसदीय चुनाव एक साथ कराता है, जिससे संसाधन उपलब्ध होते हैं और व्यवधान कम होता है। असम में लोकसभा और विधानसभा के लिए अलग-अलग चुनाव होने से आदर्श आचार संहिता के कारण विकास परियोजनाएं रुक जाती हैं। हम प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण का पूरा समर्थन करते हैं। शर्मा ने पूरे भारत में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की भी वकालत की। उन्होंने कहा कि असम में आधार कार्ड केवल एनआरसी में पंजीकृत लोगों को जारी किए जाते हैं। नागरिकों और घुसपैठियों की पहचान के लिए इसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने ओडिशा में भाजपा के शासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ओडिशा में भाजपा सरकार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। अगले 50 वर्षों तक इसके नेतृत्व को कोई चुनौती नहीं है।

भारतीय और घुसपैठियों ...

मुश्किल है क्योंकि यहां कई नदियां हैं। तकनीक का इस्तेमाल करके सीमा को सुरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार असम और त्रिपुरा में सीमा सुरक्षा के लिए तकनीकी प्रयास कर रही है, लेकिन पश्चिम बंगाल सरकार सहयोग नहीं कर रही है। अगर बंगाल सहयोग करे, तो घुसपैठ रोकी जा सकती है। ओडिशा में बीजद के भविष्य को लेकर शर्मा ने कहा कि बीजद का युग अब समाप्त हो गया है और भाजपा सरकार कम से कम 50 साल तक ओडिशा में रहेगी। बांग्लादेश में हिंदूओं पर हो रहे हमलों को लेकर शर्मा ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है। मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बांग्लादेश में हिंदूओं की सुरक्षा के लिए कूटनीतिक कदम जरूर उठाएंगे। प्रधानमंत्री ने विदेश सचिव को बांग्लादेश भेजा था। उम्मीद है कि इस प्रयास से देश में शांति बहाल होगी। शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस कभी हिंदू समुदाय के साथ खड़ी नहीं रही। आगे भी वे हिंदूओं के साथ खड़े नहीं होंगे। एक राष्ट्र, एक चुनाव को लेकर शर्मा ने कहा कि असम में विधानसभा और संसद के चुनाव अलग-अलग समय पर हो रहे हैं। चुनावों के दौरान विकास कार्य आमतौर पर लगभग पूरे साल बाधित रहते हैं। इसलिए एक राष्ट्र-एक चुनाव जरूरी है। इसके लिए संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत से संविधान संशोधन की जरूरत है। प्रधानमंत्री ऐसा जरूर करेंगे।

गुवाहाटी रेलवे स्टेशन ...

में बम होने की बात नहीं कही गई थी, लेकिन पुलिस से बम होने की संभावना के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाने को कहा गया था। हम मेल के स्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच सीपी ने कहा कि गुवाहाटी पुलिस ने विश्वविद्यालय की सुरक्षा टीम के साथ मिलकर परिसर की तलाशी ली है, लेकिन अभी तक कुछ नहीं मिला है। जब पूछा गया कि क्या मेल या फोन कॉल का संबंध अल्फा (आई) जैसे किसी प्रतिबंधित संगठन से है, तो अधिकारी ने ऐसी किसी संभावना से इनकार किया। कॉल करने वाले द्वारा इस्तेमाल किए गए वैकल्पिक सेल नंबर की पहचान कर ली गई है, और आगे की जांच जारी है। सभी संबंधित एजेंसियों द्वारा सावधानीपूर्वक जांच के बाद, कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, और बम का पता लगाने के अभियान में शामिल सभी पुलिस एजेंसियों को तितर-बितर कर दिया गया।

एनआईए और एसटीएफ...

साहनूर इस्लाम की गोविंदपुर में कंप्यूटर की दुकान है। ये गिरफ्तारियां एनआईए की एक बड़ी जांच से जुड़ी हैं, जो पूरे भारत में जैश-ए-मोहम्मद द्वारा कट्टरपंथ और भर्ती प्रयासों की जांच कर रही है। एनआईए ने हाल ही में आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने के अपने प्रयास के तहत असम सहित पूरे भारत में 19 स्थानों पर छापेमारी की थी। ये जांच युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और क्षेत्र में चरमपंथी विचारधाराओं को स्थापित करने के लिए काम करने वाले मॉड्यूल पर केंद्रित है। एनआईए की गोलपाड़ा में मौजूदा कार्रवाई पूर्वोत्तर में सक्रिय स्लीपर सेल के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद कड़ी जांच के बीच की गई है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इन नेटवर्क को जड़ से खत्म करने और आगे की भर्ती को रोकने के लिए अनंतनाग, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों में अभियान चल रहे हैं। हाल ही में, असम में कई आतंकवाद विरोधी छापे मारे गए हैं, क्योंकि अधिकारी इस क्षेत्र में सक्रिय चरमपंथी नेटवर्क को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं। एक महत्वपूर्ण ऑपरेशन अक्तूबर 2024 में हुआ, जब एनआईए और स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त टीम ने असम के गोलपारा जिले में जैश के 9 गुर्गों को गिरफ्तार किया। संदिग्धों पर कथित तौर पर युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और आतंकवादी गतिविधियों के लिए आधार तैयार करने का आरोप है। अतीत में इसी तरह की छापेमारी में भी आतंकवाद के वित्तपोषण और चरमपंथी समूहों के लिए व्यक्तियों की भर्ती करने के प्रयासों से जुड़े होने का पता चला है। पिछले महीने, एनआईए ने भारत को अस्थिर करने की अल-कायदा की साजिश के सिलसिले में नागांव में भी एक साथ छापेमारी की थी। यह एक विकासशील कहानी है और आगे की जांच जारी है।

धार्मिक स्थलों पर ...

पारित नहीं किया जाएगा। साथ ही शीर्ष अदालत ने 1991 के कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए केंद्र सरकार को चार सप्ताह का और समय दिया। याचिकाओं के एक समूह पर विचार करते हुए अदालत ने यह भी कहा कि कानून के क्रियान्वयन की मांग करने वाली याचिका पर भी केंद्र द्वारा कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है। नवगठित पीठ ने नए मुकदमों पर विचार करने पर रोक लगाने के आदेश के विरोध को खारिज कर दिया। कानून की वैधता को चुनौती देने वालों की ओर से पेश वकीलों ने इस आदेश का विरोध किया था। पीठ ने कहा कि मुकदमे दायर किए जाने पर भी कोई कार्यवाही नहीं की जा सकती। जब मामला इस अदालत के समक्ष विचाराधीन है तो क्या दूसरों के लिए इस पर रोक लगाना उचित नहीं होगा। जब तक हम मामले की जांच नहीं कर लेते, तब तक कोई प्रभावी आदेश या सर्वेक्षण आदेश पारित नहीं किया जा सकता। उपासना स्थल अधिनियम, 1991 को पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने राम मंदिर आंदोलन के चरम पर लागू किया था। इस कानून का उद्देश्य 15 अगस्त, 1947 को मौजूद धार्मिक स्थलों की स्थिति की रक्षा करना था। देश भर में मस्जिद और दरगाह सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर सर्वेक्षण करने के लिए लगभग 18 मुकदमे दायर किए गए हैं, जिसके बारे में मुस्लिम पक्षों ने दावा किया है कि यह कानून के प्रावधानों की अवहेलना है।

मुस्लिम संगठनों ने ...

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने पूजा स्थल कानून पर स्वागत किया है। बोर्ड के प्रवक्ता डॉ सैयद कासिम रसूल इलियास ने एक बयान में अदालत के अंतरिम फैसले पर कहा कि इस अधिनियम की मौजूदगी के बावजूद स्थानीय अदालतों ने मस्जिदों और दरगाहों के खिलाफ एक के बाद एक अपील को स्वीकार्य किया और जिस तरह के आदेश पारित किए उससे पूरा कानून अर्थहीन हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने न सिर्फ इस मामले में किसी भी प्रभावी और अंतिम फैसले पर अगली तारीख तक रोक लगा दी है, बल्कि सर्वे के आदेश पर भी रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि जब तक सुप्रीम कोर्ट इस पर कोई स्पष्ट फैसला नहीं ले लेता, तब तक कोई नया मामला दर्ज नहीं किया जाना चाहिए। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने आज के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को एक बड़ा और महत्वपूर्ण आदेश बताया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि उम्मीद है कि इस फैसले से देश में सांप्रदायिकता और अशांति फैलाने वालों पर रोक लगेगी। मामला संवेदनशील है, इसलिए कोर्ट इस पर अपना अंतिम फैसला सुनाएगा। हालांकि यह अंतरिम फैसला भी अपने आप में बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला है क्योंकि कोर्ट ने न सिर्फ मुस्लिम पूजा स्थलों के सर्वे पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है बल्कि अदालतों पर नए मामले दर्ज करने और सुनवाई करने पर भी रोक लगा दी गई है। मौलाना मदनी ने कहा कि संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वे की आड़ में वहां जो कुछ हुआ या हो रहा है उससे साफ हो गया है कि मस्जिदों और दरगाहों पर मंदिर होने का दावा करके और उनके सर्वे की आड़ में सांप्रदायिक तत्व देश में अशांति फैलाकर सदियों पुरानी शांति और एकता और भाईचारे को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने अंतरिम फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि हमारा उद्देश्य इस देश में शांति-व्यवस्था की रक्षा करना है। हमें अतीत में झांकने से ज्यादा इस देश के भविष्य के निर्माण और इसके विकास में सभी वर्ग के लोगों के समान प्रतिनिधित्व पर पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

असम सरकार के ...

नागरिकों को ही आधार कार्ड दिए जाएं। नए नियम के तहत, जिन व्यक्तियों ने एनआरसी के लिए आवेदन नहीं किया है, उनके आधार अनुरोध स्वत: ही खारिज हो जाएंगे, तथा केंद्र सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि यह कदम राज्य के उन प्रयासों का हिस्सा है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि एनआरसी प्रक्रिया में केवल वैध निवासियों को ही शामिल किया जाए। पाल ने नीति का समर्थन करते हुए कहा कि ऐसे निर्णय लेना राज्य के अधिकार क्षेत्र में आता है। उन्होंने वैध नागरिकों की पहचान करने में एनआरसी के महत्व पर जोर दिया, खासकर असम में, जहां अवैध अप्रवासियों के बारे में चिंताएं अधिक हैं। यह घोषणा राजनीतिक विवाद के बीच हुई है, खास तौर पर दिल्ली में, जहां आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा पर रोहिंग्या शरणार्थियों को बसाने का आरोप लगाया है और उन्हें बदनाम किया है। पाल ने जवाब देते हुए कहा कि ये लोग भारतीय नागरिक नहीं हैं और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित विपक्षी नेताओं की उनका समर्थन करने के लिए आलोचना की। एनआरसी-आधार नीति के अलावा पाल ने वक्फ संशोधन विधेयक की चल रही समीक्षा पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि जेपीसी ने 44 प्रस्तावित संशोधनों पर विचार किया है। उन्होंने विधेयक से जुड़ी चर्चाओं में दारुल उलूम देवबंद जैसी संस्थाओं की भागीदारी का भी जिक्र किया।

अखिलेश यादव करें ...

जो रुख अपनाया वह आक्रामक है। वहीं, लालू यादव ने कहा कि ममता बनर्जी को नेतृत्व मिलना चाहिए। कांग्रेस के विरोध का मतलब नहीं बनता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने कहा कि ममता बनर्जी इंडिया गठबंधन के नेतृत्व के लिए सबसे उपयुक्त हैं। उन्होंने कहा कि वह एकमात्र ऐसी नेता हैं, जिन्होंने बार-बार भाजपा को शिकस्त दी हैं। इसके अलावाशिव सेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने कहा कि हम ममता जी की इस राय को जानते हैं। हम यह भी चाहते हैं कि वह भारत गठबंधन का एक प्रमुख भागीदार बनें। चाहे वह ममता बनर्जी हों, अरविंद केजरीवाल हों या शिवसेना, हम सब एक साथ हैं। हम जल्द ही कोलकाता में ममता बनर्जी से बात करने जाएंगे। सपा चीफ अखिलेश यादव ने पहले ममता बनर्जी के साथ होने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि हम पूरी तरह से ममता बनर्जी के साथ हैं। अखिलेश से पहले सपा नेता उदयवीर सिंह का बयान सामने आया था। उन्होंने कहा था कि ममता *इंडिया* को लीड करती हैं तो हमको कोई दिक्कत नहीं है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बंगाल ने उत्तर प्रदेश के साथ मिलकर अहम भूमिका निभाई है, जिससे इंडिया ब्लॉक को आगे बढ़ने में मदद मिली है और भाजपा पिछड़ गई है इसलिए, हमारा समर्थन उनके प्रति अटल है।

राज्य की स्थिति ...

सिंह ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार मणिपुर में स्थायी समाधान लाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राज्य की स्थिति नाजुक है, इसलिए स्थायी समाधान में समय लगेगा। छह पुलिस थानों में अफस्पा को फिर से लागू करने पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने केंद्र से उक्त पुलिस स्टेशनों से अफस्पा हटाने की अपील की। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने कहा कि 1904 और 1939 में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह में मणिपुरी महिलाओं द्वारा निभाई गई भूमिका को याद करने के लिए नुपी लान नुमिट को हर साल मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि दो ऐतिहासिक घटनाओं में महिलाओं का योगदान रहा है। सीएम सिंह ने आगे कहा कि हमें 1819-1826 के दौरान बर्मी लोगों को बाहर करने में मणिपुरी महिलाओं द्वारा दिखाई गई बहादुरी और साहस को भी याद रखना चाहिए। मणिपुर के मुख्यमंत्री ने कहा कि मणिपुरी महिलाओं ने सामाजिक, आर्थिक, कला-संस्कृति और खेल के क्षेत्र में भी योगदान दिया है। राज्य सरकार ने महिलाओं की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता को देखते हुए महिला कल्याण योजनाएं शुरू की हैं। इसमें इमा नोंगथांगलेइमा याइफा तेंगबांग योजना भी शामिल है। इसके तहत 40 वर्ष से अधिक उम्र वाली बेरोजगार महिलाओं को हर महीने 500 रुपए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सदन में पारित महिला आरक्षण बिल पर भी जोर दिया। छात्रों के लिए राज्य सरकार की तरफ से शुरू की गई योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। म्यांमार शरणार्थियों के साथ व्यवहार को लेकर मीडिया से बात करते हुए सीएम बीरेन सिंह ने कहा कि जो लोग आलोचना कर रहे हैं, वे यहां आकर जमीनी हकीकत देख लें। यहां कोई मतभेद नहीं है। शरणार्थियों का इलाज संयुक्त राष्ट्र के दिशानिर्देशों, भारत सरकार और मणिपुर सरकार की देखरेख में किया जा रहा है।

एडवांटेज असम 2.0 को लेकर तैयारी बैठक आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। असम के उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम विभाग के मंत्री बिमल बोरा की अध्यक्षता में गुरुवार को लोकसेवा भवन, दिसपुर में *एडवांटेज असम 2.0* पर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। अत्यंत महत्वाकांक्षी एडवांटेज असम 24 और 25 फरवरी को आयोजित किया जाना है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में यह एक परिवर्तनकारी कदम है। इस पहल का उद्देश्य हाल के वर्षों में असम द्वारा शुरू की गई मजबूत विकास गति को और आगे बढ़ाना है। राज्य में इसी बीच 39, 000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश हो चुका है। असम को निवेश हेतु सबसे अधिक लाभदायक और आकर्षक स्थलों में से एक के रूप में स्थापित करने की तैयारियां जोरों पर हो रही है। आज की बैठक एडवांटेज असम 2.0 की तैयारियों की प्रगति की समीक्षा करने के लिए आयोजित की गई। चर्चा में परिचालन रसद, आतिथ्य आवश्यकताओं, साझेदारी जुड़ाव और कार्यक्रम को बढ़ावा देने की रणनीतियों को शामिल किया गया, जिसमें लक्षित क्षेत्रों में रोड शो आयोजित करना भी शामिल है। बैठक में असम के मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा, असम पुलिस के विशेष महानिदेशक हरमीत सिंह, आईसीएंडपीई विभाग और उसके निगमों के वरिष्ठ अधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी, असम सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी और प्रमुख वित्तीय और व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे।

पुरस्कार वितरण समारोह के बीच बजाली में मंत्री पटवारी पर फूटा गुस्सा

बजाली (हिंस)। उच्च माध्यमिक परीक्षा पास करने वाले मेधावी छात्रों को स्कूटी (डॉ. वाणीकांत काकती पुरस्कार) वितरण समारोह के बीच में ही मंत्री के विरुद्ध कुछ अभिभावकों द्वारा गुस्से का इजहार किया गया। पहले 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली सभी छात्राओं और 75 प्रतिशत प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को स्कूटी देने की घोषणा की गई थी। लेकिन, इस बार कॉलेज में प्रवेश के बिना, जो छात्र बाहर कोचिंग करते हैं या कोई अन्य कोर्स करते हैं, उन्हें स्कूटी से वंचित कर दिया गया। चूंकि पहले यह पुरस्कार हायर सेकेंडरी के रिजल्ट के हिसाब से ही दिया जाता था, इसलिए यह नहीं कहा जाता था कि कॉलेज में एडमिशन नहीं लिया गया है। लेकिन, इस बार कॉलेजों में दाखिला नहीं लेने वाले छात्र-छात्राओं को इस योजना में शामिल नहीं किया गया। छात्रों ने शिक्षा मंत्री के तथा मुख्यमंत्री से अपील की है कि वे ऐसे छात्रों को पुरस्कार नहीं देने का फैसला बदलें, क्योंकि इससे छात्रों को मानसिक आघात पहुंचा है।

जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने किया हाजो में गरजान बील का निरीक्षण

कामरूप (हिंस)। जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने हाजो के ऐतिहासिक गरजान बील (झील) में बाढ़ नियंत्रण हेतु निर्माणाधीन सरकारी योजनाओं का निरीक्षण किया। हाजो में दो वर्ग किलोमीटर लंबी कृत्रिम झील बनाई जाएगी। झील हाजो में बगटा नंबर 2 की गरजान बील में बनाई जाएगी। राज्य के जल संसाधन विभाग ने गरजान बील की खुदाई कर पुथिमारी नदी के पानी को संरक्षित करने की योजना बनाई है। बाढ़ रोकने के लिए ऐतिहासिक गरजान बिल पर बनाई जाने वाले जलाशय के विस्तृत कार्ययोजना का निरीक्षण करने के लिए जल संसाधन मंत्री हजारिका आज पहुंचे। इस मौके पर मंत्री के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और रंगिया विधायक भबेश कलिता भी मौजूद थे। कलिता ने कांग्रेस पार्टी द्वारा भाजपा पर ज्योतिषियों पर निर्भर होने के कटाक्ष पर

प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी से बृहस्पति गायब हो गये हैं और अब शनि का प्रभाव है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अगले 25 वर्षों तक असम में शासन नहीं कर पाएगी।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका का हावली में अभिनंदन

बरपेटा (हिंस)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका का गुरुवार को बरपेटा के हावली में सार्वजनिक अभिनंदन किया गया। राज्यपाल को हावली सार्वजनिक शिव मंदिर प्रबंध समिति द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। इसके बाद रमेन डेका को हावली के साथ ही बरपेटा रोड सहित जिले के विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मानित किया गया। इससे पहले दिन छत्तीसगढ़ के राज्यपाल ने शिव मंदिर का दौरा किया और महादेव की पूजा अर्चना की।

सांस्कृतिक प्रचुरता को क्षमता में बदलने का प्रयास : बिमल बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। सांस्कृतिक मामलों के विभाग के तहत परियोजना को लागू करने के लिए 12 विश्वविद्यालयों ने श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में 12 विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर गुरुवार को हस्ताक्षर किए। श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के भाषाविद डॉ. बाणीकांत काकती हॉल में आयोजित समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए संस्कृति मंत्री बिमल बोरा ने आज के दिन को असम के सांस्कृतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन बताया। उन्होंने कहा कि यह हमें भविष्य में अपने जातीय लोगों की परंपराओं, रीति-रिवाजों और परंपराओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। सांस्कृतिक मंत्री ने कहा कि हाल ही में विदेशों में पाट के मेखला, शॉल आदि की मांग बढ़ी है। यह बात शुवालकुची के एक कपड़ा व्यापारी ने कही। यह तब हुआ जब पूरी दुनिया ने विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले बिहू नृत्य को देखा। संस्कृति मंत्री बोरा की मौजूदगी में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से पहले श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र समाज के सचिव सुदर्शन टैगोर ने राज्य में जातीय समूहों की कला और संस्कृति के मानचित्रण के उद्देश्यों की व्याख्या की। संस्कृति विभाग के प्रभारी अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. बी कल्याण चक्रवर्ती ने कहा कि जिस तरह उचित संरक्षण के अभाव में प्रकृति लुप्त हो रही है, अगर हम अभी कार्रवाई नहीं करते हैं, तो हमारी कला और संस्कृति एक दिन लुप्त हो जाएगी। कार्यक्रम में कलाक्षेत्र समाज के उपाध्यक्ष जितुल सोनोवाल भी शामिल हुए।

रंगिया : सड़क दुर्घटना में व्यवसायी की मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप जिले के रंगिया में डीए मोटर्स के सामने बुधवार की रात हुए भीषण सड़क हादसे में रंगिया तिनाली निवासी प्रमुख व्यापारी चंदन दास की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना सड़क किनारे डिवाइडर से मोटरसाइकिल टकरा जाने के कारण हुई। दुर्घटना तब हुई जब वह मोटरसाइकिल से गुवाहाटी से रंगिया स्थित अपने घर जा रहा था। रंगिया के वार्ड नंबर 6 के निवासी चंदन दास अपनी मौत के समय अपने पीछे पत्नी और बेटे को छोड़ गए हैं। दुर्घटना के तुरंत बाद उन्हें रंगिया के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

होजाई में 18वें असम योग महोत्सव का उद्घाटन

होजाई (हिंस)। होजाई शहर के जुगल किशोर केडिया भवन में गुरुवार को 18वें असम योग महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मानबेंद्र दत्ता चौधरी, विधायक, लुमडिंग शिबू मिश्रा और होजाई निर्वाचन क्षेत्र के विधायक रामकृष्ण घोष सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। योगाचार्य सुभाशीष कर, अध्यक्ष भारतीय योग संस्कृति और योग चिकित्सा केंद्र, डॉ. शांतनु रॉय चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर और भारतीय योग संस्कृति और योग चिकित्सा केंद्र मालीगांव, गुवाहाटी के सचिव इस दौरान उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र के दौरान, झारखंड के रांची स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी भवेशानंद महाराज को प्रोफेसर मनबेंद्र दत्ता चौधरी और विधायक रामकृष्ण घोष द्वारा स्वामी शिवानंद सरस्वती योग प्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कुल 17 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को भी विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिनमें डॉ. नितेन बर्मन (योग भूषण), डॉ. अनिल पेगु (योग विकास), रीना देवी (योग बैभव), नीता लहकर तालुकदार (योग प्रचारक), परशमोनी बोरा (योग क्रांति पुरस्कार), गौतम पटवारी (योग दृष्टि), सुमन तेरोनपी (योग प्रहरी), डॉ. हृदयानंद तामुली फुकन और रिनिजिनी खानिकर (योग योद्धा),

अंकिता बोरठाकुर (योग प्राशुर्य), रश्मी सिरिंग फुकन (योग प्रतिभा), कनिका दास (योग मित्र), रूपज्योति कोर (योग रश्मि), मानबेंद्र मंडल (योग सेवक), शुभाशीष बाला (योग प्रशारिका), आनंद शील (योग बंधु) और हर्षित कोंवर बोरा (योग सम्राट) आदि शामिल हैं। उद्घाटन सत्र का संचालन योग के मुख्य सलाहकार धनंजय तालुकदार, सांस्कृतिक एवं योग चिकित्सा केंद्र, गुवाहाटी ने किया। उद्घाटन समारोह के बाद रंगारंग योग जुलूस निकाला गया, जिसे स्थानीय विधायक रामकृष्ण घोष ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। योग सांस्कृतिक कार्यक्रम और अंतर-योग महाविद्यालय योग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

खेल महारान 2.0 : चिरांग में शानदार उद्घाटन समारोह आयोजित

चिरांग। चिरांग के सिडली एलएसी में बहुप्रतीक्षित खेल महारान 2.0 का उद्घाटन समारोह बड़े उत्साह के साथ शुरू हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में ईएम रंजीत बसुमतारी, उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में लगभग 1, 900 लोगों की उल्लेखनीय उपस्थिति देखी गई, जिसने एक रोमांचक खेल प्रतियोगिता की शुरुआत को चिह्नित किया। यह समारोह एक ऊर्जावान और रंगारंग आयोजन था, जिसमें दो राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ियों और दो राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ियों द्वारा ओलंपिक मशाल रिले की गई, जिसके बाद जतिन बोरा, एसीएस, जिला आयुक्त, चिरांग द्वारा ओलंपिक मशाल प्रज्ज्वलित की गई। इस प्रतीकात्मक इशारे ने एकता और खेल भावना के लिए मंच तैयार किया जो प्रतियोगिता को परिभाषित करेगा। अनुशासन और सटीकता का प्रदर्शन करते हुए, एनसीसी कैडेटों ने सामूहिक मार्च-पास्ट किया, इस अवसर का सम्मान किया और राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा देने में खेलों के महत्व को दर्शाया। प्रतियोगिता के पहले दिन एथलेटिक्स, फुटबॉल, शतरंज, कबड्डी और वॉलीबॉल सहित कई विषयों में रोमांचक कार्यक्रम हुए। प्रतिभागियों और भीड़ के उत्साह ने संकेत

दिया कि खेल महारान 2.0 एथलेटिक उत्कृष्टता और सामुदायिक भावना दोनों का प्रदर्शन होगा, क्योंकि सभी पृष्ठभूमि के एथलीट प्रतिस्पर्धा करने और खेल की भावना का जश्न मनाने के लिए एक साथ आएंगे। खेल महारान 2.0 के इस वर्ष के संस्करण का उद्देश्य क्षेत्र में खेलों को और बढ़ावा देना और युवा एथलीटों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना है। स्थानीय अधिकारियों और खेल संगठनों के समर्थन से, यह आयोजन स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और खेल की शक्ति का जश्न मनाने के लिए विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को एक साथ लाने का वादा करता है। विशिष्ट अतिथियों में निर्मल ब्रह्म, माननीय विधायक, सिदली एलएसी, फिरदौस आलम शेख, एसीएस, एडीसी, चिरांग और रिजेंद्र ब्रह्म, उप सचिव, खेल और युवा कल्याण, बीटीसी शामिल थे। समारोह में कई सरकारी अधिकारियों, राजनीतिक नेताओं और प्रसिद्ध खेल हस्तियों ने भी भाग लिया, जिससे इस अवसर की भव्यता और बढ़ गई।

रंगिया में हजारों लोगों ने रेल विभाग के खिलाफ किया प्रदर्शन

रंगिया (निसं)। रेल विभाग के द्वारा वंचित किए जाने के खिलाफ विभिन्न पार्टी संगठनों द्वारा विरोध रैली निकाली गई। रंगिया आंचलिक छात्र संघ, नागरिक मंच, स्टेशन नागरिक समिति, बिजनेस एसोसिएशन, रेल यात्री संघ के सहयोग से स्थानिय लोगों ने ऑल कामरूप जिला छात्र संघ की पहल पर रंगिया मंडलीय रेल प्रबंधक के कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी हैं कि अगर रंगिया के लोगों की दस सूत्री मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे कड़ा आंदोलन करेंगे। रंगिया रेलवे स्टेशन के एफओबी के दोनों सिरों पर एक रैंप की व्यवस्था करें और इसे पार करने के लिए खुला रखें। स्थानीय लोगों के लिए लोकल ट्रेनों की व्यवस्था, वंदे भारत (22227) और राजधानी एक्सप्रेस (20503) के रंगिया ठहराव की मंजूरी, रेलवे विभाग के वर्ग तीरसा और चौथा में स्थानिय उम्मीदवारों की नियुक्ति, पूर्वोत्तर राज्यों को मिलाकर वास्तविक एनएफआर का गठन, रंगिया के एसके-12, एसके-13, एसके-14 रेलवे गेट बंद करने के प्रस्ताव को वापस लेना, अत्यंत जरूरी रंगिया तिनाली स्थित रेलवे लेवल क्रासिंग के आरएम 2 रेलगेट पर फ्लाई ओवर निर्माण करना, रेलवे स्टेशन पर सभी प्लेटफार्मों पर शौचालय, बैठने की सीटें, पेयजल, असम प्रान्त के सभी रेलवे स्टेशन पर स्थानिय खाद्य वस्तुओ के दुकान खुलवाना, रंगिया जंक्शन पर पेसेंजर टर्मिनल का विकास करने की मांग की गई है। वही मांडलिक प्रबंधक कार्यालय के समक्ष पुलिस की व्यवस्था की गई। मालुम हो कि इस दौरान तिव्र यातायात जाम हो गया।

होजाई : दो दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का सफल समापन

7000 लोगों ने एक साथ किया गीता का पाठ

होजाई (निसं)। गीता केवल पढ़ने और रटने का ग्रंथ नहीं है बल्कि इसे व्यवहारिक रूप में अपनाना होगा, उक्त बाते गीता जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होजाई स्थित गीता आश्रम के प्रांगण में धर्मसभा को संबोधित करते हुए उत्तर कमलाबाड़ी सत्र के सत्र अधिकारी महाप्रभु श्री श्री जनार्दन देव गोस्वामी ने कही। उन्होंने कहा कि गीता की शिक्षाएं हमें जीवन की चुनौतियों से निपटने और हमारे कार्यों में अर्थ और उद्देश्य खोजने में मददगार है। गीता का ज्ञान सबसे बड़ा धन है। सच्चे ज्ञान के बिना जीवन अंधकारमय है। उन्होंने लोगों को विस्तार पूर्वक गीता के संदर्भ में बताया व इस बहुमूल्य ज्ञान को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के असम क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक वशिष्ठ बुजुर बरुवा ने कहा गीता हमें शिक्षा देती है कि जो भी कार्य करें, उसे भगवान को अर्पित करने की भावना से करना चाहिए। भगवद् गीता जीवन जीने की अद्भुत कला सिखाने वाला मार्गदर्शक है। गीता में मुख्य संदेश हमें यह बताता है कि किसी भी परिस्थिति में हमें हार नहीं माननी चाहिए।

उल्लेखयोग्य है कि कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को प्रात: ध्वजा रोहन के साथ हुआ। इसके बाद जिला स्तरीय गीता से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुई जिसमें गीता श्लोक, गीता पर आधारित प्रश्नोंउत्तरी, आवृत्ति व रचना प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें जिले के कई विद्यालयों से छात्र-छात्राओं ने अंश ग्रहण किया। वहीं आज श्री गुरु शंकराचार्य वेद विद्यालय गमीरी विश्वनाथ के छात्रों द्वारा गीता पाठ प्रारंभ हुआ तत्पश्चात सामूहिक गीता पाठ का आयोजन हुआ। वही आज के कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शिक्षकों को व समाज के वरिष्ठजनों जिन्होंने गीता आश्रम के स्थापना काल से अपना सहयोग दे रहे हैं उन्हें सम्मानित किया गया। इस संवाददाता से बात करते हुए गीता जयंती आयोजन समिति के सचिव अर्जुन मजुमदार, गीता आश्रम न्यास के अध्यक्ष यशोदा दुलाल रक्षित, सचिव यादव भंडारी व कोषाध्यक्ष अशोक केजरीवाल ने बताया कि पिछले दो महीनों से गीता जयंती धूमधाम से मनाने हेतु हमारे कार्यकर्ता दिन-रात एक कर रहे थे। इस दौरान हम लोगों ने विभिन्न विद्यालयों में गीता से संबंधित कई प्रतियोगिताएं आयोजित की व गीता के प्रचार प्रसार के लिए कई गांव में सभाएं आयोजित की। उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम में लगभग 7000 लोग सम्मिलित हुए व हमने एक साथ गीता के श्लोकों का सामूहिक पाठ किया। उसके बाद प्रसाद का वितरण हुआ व संध्या के समय सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि यह गीता आश्रम न्यास का वार्षिक उत्सव है जो की गीता आश्रम न्यास व गीता जयंती आयोजन समिति के तत्वाधान में आयोजित हुआ।

ब्यूटी एंड स्पा सैलून से ड्रग्स के साथ तीन महिलाएं गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। पलटन बाजार थाने की सीजीपीडी टीम ने उलुबाड़ी स्थित एक ब्यूटी एंड स्पा सैलून से पुलिस ने तीन महिलाओं को हेरोइन और गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि एक सूचना के बाद पलटन बाजार थाने की सीजीपीडी टीम ने उलुबाड़ी स्थित न्यू स्टार ब्यूटी एंड स्पा सैलून पर छापा मारा। पुलिस ने यहां से दलगांव निवासर सालेहा खातून (21), लतासिल निवासी त्रिशा दास (23) और अभयापुरी निवासी मुन्नी खान (24) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से संदिग्ध हेरोइन की सात शीशियां, जिनका वजन 9.28 ग्राम था और गांजा की नौ पुड़िया, जिनका वजन 81.05 ग्राम था, जब्त कीं। पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है।

बीटीआर सरकार भेरगांव में प्रगति और एकता के चार साल पूरे होने का मनाएगी जश्न

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। सीईएम प्रमोद बोड़ो के नेतृत्व में बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र सरकार 14 और 15 दिसंबर 2024 को दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ अपनी चौथी वर्षगांठ के अवसर पर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मनाने के लिए तैयार है, जिसका विषय है। *स्थायी शांति, सद्भाव और अखंडता को पुन: प्राप्त करना।* समारोह न केवल वर्तमान प्रशासन के तहत क्षेत्र की उपलब्धियों को दर्शाएगा बल्कि बीटीआर के नागरिकों के लिए एक उज्जवल, अधिक समृद्ध भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण को भी उजागर करेगा। 14 दिसंबर को, पूरे क्षेत्र में सरकारी कार्यालय, शैक्षणिक संस्थान और ब्लॉक विकास कार्यालय सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने और सामूहिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई गतिविधियों की एक श्रृंखला में भाग लेंगे। दिन की शुरुआत *मेरा बोड़ोलैंड, स्वच्छ बोड़ोलैंड* पहल से होगी, जिसमें पूरे क्षेत्र में सफाई अभियान (स्वच्छता अभियान) शामिल होगा। इस सार्थक कार्यक्रम में ईएम, एमसीएलए, टीसीएलएलसी और वीसीडीसी सदस्यों सहित स्थानीय नेता, सरकारी अधिकारी, सामुदायिक नेता और अन्य हितधारक भाग लेंगे। इसके बाद, *मेरा बोड़ोलैंड, शांतिपूर्ण बोड़ोलैंड* विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रतिष्ठित नागरिकों और विशेषज्ञों द्वारा मुख्य भाषण दिए जाएंगे। ये वार्ताएं स्थायी शांति के बारे में जानकारी प्रदान करेंगी, जिसमें बीटीआर सरकार के *शांतिपूर्ण, स्मार्ट और ग्रीन बोड़ोलैंड* के दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया जाएगा। 15 दिसंबर को भव्य समारोह बीटीआर के उदलगुरी में भेरगांव मिनी स्टेडियम में होगा। इस कार्यक्रम में बीटीआर के विकास में उनके असाधारण योगदान के लिए भागीदार एजेंसियों को सम्मानित भी किया जाएगा। यह दो दिवसीय उत्सव न केवल पिछले चार वर्षों में की गई प्रगति पर विचार करने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि क्षेत्र में शांति, एकता और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए बीटीआर की प्रतिबद्धता की पुष्टि भी करता है।

पति ने की पत्नी की हत्या

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के रंगापाड़ा के कठालगुड़ी इलाके में स्थित एक व्यक्ति द्वारा अपनी पत्नी की बड़ी बेरहमी से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि शांतिपुर के शालनीबाड़ी थाना अंतर्गत कठालगुड़ी तीन नंबर लाइन निवासी रघु उरांव नामक व्यक्ति ने अपनी पत्नी बेलमती उरांव को दाव से प्रहार कर मौत के घाट उतार दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने पत्नी की हत्या करने के आरोप में रघु उरांग को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस महिला का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में पाया कि पारिवारिक कलह के वजह से व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या की। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपित से सघन पूछताछ कर रही है।

नव निर्वाचित विधायक दिप्तीमयी चौधरी का अभिनंदन

बंगाईगांव। बंगाईगांव विधानसभा के लिए हाल ही में आयोजित उपचुनाव में विजयी हुई नव निर्वाचित विधायिका श्रीमती दिप्तीमयी चौधरी का बुधवार को स्थानीय रविन्द्र भवन में नागरिक अभिनंदन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन असम गण परिषद की उत्तर बंगाईगांव नगर समिति के तत्वाधान में तथा अन्य संगठनों के सहयोग से किया गया। देश भक्ति गीत से शुरू हुए इस समारोह में नवनिर्वाचित विधायिका के अलावा समाज से गण मान्य व्यक्तियों को मंच पर आमंत्रित किया गया। असम गण परिषद, उत्तर बंगाईगांव नगर समिति, पूर्वोत्तर बिहारी परिषद, बंगाईगांव केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन, असम गोर्खा सम्मेलन, असम कृष्टि विकास संघ, पगला स्थान बाजार समिति, उत्तर बंगाईगांव गोरिया मोरिया जाति परिषद, मारवाड़ी

सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच के अलावा मारवाड़ी समाज के विभिन्न घटक संगठनों के साथ कई संगठनों ने दिप्तीमयी चौधरी का फुलोम गमछा, मानपत्र, पुष्प गुछ, शराई, जापी, उपहार आदि भेंट कर सम्मानित किया। दिप्तीमयी चौधरी ने अपने संबोधन में सम्मान करने के लिए सभी संस्थाओं को हार्दिक धन्यवाद दिया तथा आशा व्यक्त की कि वे सभी वर्गों के लिए काम करेगी तथा बंगाईगांव की प्रगति के लिए हमेशा काम करती रहेगी। ज्ञात हो कि लगातार आठ बार विधायक रहे फनी भूषण चौधरी सांसद बनने के बाद उनकी जगह उनकी धर्मपत्नी दीप्तिमयी चौधरी को असम गण परिषद की टिकट पर अच्छे अन्तर से जीत हासिल कर बंगाईगांव की प्रथम महिला विधायक बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। असम गण परिषद की उत्तर बंगाईगांव नगर समिति के अध्यक्ष सीवेन सरकार तथा सचिव सुशांतो दत्त ने कार्यक्रम को सफल करने के लिए सभी संस्थाओं के पदाधिकारी का आभार प्रकट किया।

संपादकीय

'इंडिया' तीसरे मोर्चे की ओर

विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन में अजीब विरोधाभास हैं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस पर 'इंडिया' के लगभग सभी प्रमुख घटक-दलों के नेताओं ने हस्ताक्षर किए हैं। इन दलों के करीब 70 राज्यसभा सांसद दस्तखत कर चुके हैं। यह अविश्वास प्रस्ताव 'प्रतीकात्मक' साबित होगा, क्योंकि उच्च सदन में ही कमोबेश 119 सांसदों का समर्थन अनिवार्य है। यदि राज्यसभा में प्रस्ताव पारित हो भी जाता है, तो लोकसभा में भी उसकी पुष्टि संवैधानिक तौर पर अनिवार्य है। लोकसभा में 'इंडिया' के 234 सांसद ही हैं, जबकि सामान्य बहुमत के लिए कमोबेश 272 सांसदों का समर्थन अपेक्षित है। यह 234 का आंकड़ा तभी संभव है, जब 'इंडिया' एकजुट रहे, लेकिन उसके बिखराव के कारण कई हैं। शरद पवार और लालू यादव सरीखे विपक्ष के वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं ने मांग की है कि 'इंडिया' का नेतृत्व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी को सौंपा जाए। हालांकि बंगाल के बाहर ममता बनर्जी 'राजनीतिक शून्य' हैं, लेकिन कांग्रेस-विरोधी विपक्षी नेताओं का मानना है कि यदि ममता बनर्जी राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन का नेतृत्व करती हैं, तो वह एक निश्चित विचार और रणनीति दे सकती हैं। कांग्रेस और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी यह भूमिका निभाने में नाकाम रहे हैं। राज्यसभा में भी नेता प्रतिपक्ष खडग़े कांग्रेस अध्यक्ष हैं, लेकिन कांग्रेस के दोनों ही नेता संसद के भीतर की रणनीति तय करने और समूचे विपक्ष का विश्वास हासिल करने में असमर्थ रहे हैं। उनकी रणनीति अडाणी तक ही सिमटी है। अधिकतर विपक्षी नेता अडाणी-विरोध की राजनीति के खिलाफ हैं। राहुल गांधी 2014 से ही एक ही मुद्दे से चिपके हैं। कांग्रेस लगातार तीन लोकसभा चुनाव हारी है और अधिकतर विधानसभा चुनावों में भी विपक्ष को हार झेलनी पड़ी है। इस सोच के विपक्षी नेता याद दिलाते हैं कि राजीव गांधी के प्रधानमंत्री-काल के दौरान वीपी सिंह 'बोफोर्स तोप सौदा घोटाले' को ही उठाते रहे। हालांकि तब उन्हें 'राष्ट्रीय मोर्चे' और 'वाममोर्चे' का समर्थन हासिल था। भाजपा भी समर्थन दे रही थी। उस राष्ट्रीय, राजनीतिक अभियान के बावजूद कांग्रेस लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी थी। यह दीगर है कि राजीव गांधी विपक्ष की सरकार बनाने के पक्ष में थे। नतीजतन वीपी सिंह प्रधानमंत्री बने, लेकिन उनका कार्यकाल एक साल से भी कम समय का रहा। फिर चंद्रशेखर मात्र 4 माह के प्रधानमंत्री बने। राष्ट्रपति ने उन्हें आम चुनाव तक 'कार्यवाहक प्रधानमंत्री' बनाए रखा। 'इंडिया' गठबंधन की नियति 1996 के तीसरे मोर्चे (संयुक्त मोर्चा) की ओर बढ़ती लग रही है। हालांकि उस दौर के देवगौड़ा, नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, देवीलाल (अब चौटाला का विभाजित परिवार), प्रकाश सिंह बादल (अब दिवंगत) सरीखे कद्दावर नेताओं के दल या तो भाजपा नेतृत्व के एनडीए में हैं अथवा राजनीतिक तौर पर अप्रासंगिक हो चुके हैं। 1996 के दौर में ही जो ताकत वाममोर्चे की थी, वह आज क्षीण हो रही है। बंगाल के दुर्ग पर मई, 2011 से ममता बनर्जी का संवैधानिक कब्जा है। तीसरे मोर्चे की संभावनाएं इसलिए जताई जा रही हैं, क्योंकि 'इंडिया' में सपा, तृणमूल कांग्रेस, राजद, एनसीपी (शरद), शिवसेना (उद्धव) आदि घटक दल 'कांग्रेसहीन राजनीति' के पक्षधर हैं अथवा बनते जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी (आप) भी कांग्रेस-विरोधी मानसिकता में है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव करीब ही हैं। 'आप' और कांग्रेस दोनों एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। यह कैसा गठबंधन है कि 'एम' फैक्टर की राजनीति के लिए एकजुट होने का ढोंग और शेष राजनीति के लिए अलग-थलग...? कांग्रेस के साथ द्रमुक ही प्रमुख पार्टी है। सीपीआई, सीपीएम कांग्रेस के साथ भी हैं, लेकिन केरल जैसे राज्य में उसके 'प्रतिद्वंद्वी दल' भी हैं। बहरहाल इंडिया गठबंधन में मतैक्य की जरूरत है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस पर 'इंडिया' के लगभग सभी प्रमुख घटक-दलों के नेताओं ने हस्ताक्षर किए हैं। इन दलों के करीब 70 राज्यसभा सांसद दस्तखत कर चुके हैं। यह अविश्वास प्रस्ताव 'प्रतीकात्मक' साबित होगा, क्योंकि उच्च सदन में ही कमोबेश 119 सांसदों का समर्थन अनिवार्य है। यदि राज्यसभा में प्रस्ताव पारित हो भी जाता है, तो लोकसभा में भी उसकी पुष्टि संवैधानिक तौर पर अनिवार्य है। लोकसभा में 'इंडिया' के 234 सांसद ही हैं, जबकि सामान्य बहुमत के लिए कमोबेश 272 सांसदों का समर्थन अपेक्षित है। यह 234 का आंकड़ा तभी संभव है, जब 'इंडिया' एकजुट रहे, लेकिन उसके बिखराव के कारण कई हैं। शरद पवार और लालू यादव सरीखे विपक्ष के वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं ने मांग की है कि 'इंडिया' का नेतृत्व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी को सौंपा जाए।

भारत को भी आतंकवादी ताकतें उसी तरह से नष्ट कर देंगी जैसे उदाहरण इस्लामिक देशों में भरे पड़े हैं

बहुमत की इच्छा से आखिर क्यों नहीं चलेगा देश? कोई समझाएगा जनमानस को!

कमलेश पांडेय

मुगलिया सल्तनत से लेकर ब्रिटिश साम्राज्य का हश्र हमारे-आपके सामने है। वहीं, एक बार नहीं बल्कि कई दफे हुआ पारिवारिक लोकतांत्रिक सत्ता का पतन भी आप सबके सामने हैं जबकि इसको यथावत बनाए रखने के लिए कथित धर्मनिरपेक्षता व जातिवाद की आड़ लेकर क्रमश: अल्पसंख्यक और आरक्षण जैसे पक्षपाती विचारों का भी पालन-पोषण किया गया तथा तुष्टिकरण की नीतियों तक को बेहिसाब बढ़ावा दिया गया।

कहते हैं कि जो राजा या शासन पद्धति जनभावनाओं को नहीं समझ पाते हैं, रणनीतिक रूप से अकस्मात गोलबंद किए हुए उग्र लोगों के द्वारा नष्ट कर दिए जाते हैं। मुगलिया सल्तनत से लेकर ब्रिटिश साम्राज्य का हश्र हमारे-आपके सामने है। वहीं, एक बार नहीं बल्कि कई दफे हुआ पारिवारिक लोकतांत्रिक सत्ता का पतन भी आप सबके सामने हैं जबकि इसको यथावत बनाए रखने के लिए कथित धर्मनिरपेक्षता व जातिवाद की आड़ लेकर क्रमशः अल्पसंख्यक और आरक्षण जैसे पक्षपाती विचारों का भी पालन-पोषण किया गया तथा तुष्टिकरण की नीतियों तक को बेहिसाब बढ़ावा दिया गया। फिर भी हश्र सबके सामने है। वैश्विक और भारतीय परिस्थिति भी अब इस बात की चुगली कर रही है कि इन्हें शह देने वाले संविधानों व उस पर आधारित कुछ अतिवादी कानूनों का भी देर-सबेर कुछ यही हश्र होने वाला है, आज नहीं तो निश्चय कल ! साथ ही उस बनावटी लोकतंत्र का भी जो पूंजीवादी देशों की रखैल बन चुकी है क्योंकि वे इसका मनमाफिक दुरुपयोग कर रहे हैं। ऐसे में हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय दोनों को दूरदर्शिता दिखानी होगी, और पाकिस्तान-बंगलादेश समेत अन्य इस्लामिक देशों के बदलते प्रशासनिक घटनाक्रमों से सबक लेना होगा अन्यथा भारत को भी आतंकवादी ताकतें उसी तरह से नष्ट कर देंगी जैसे उदाहरण इस्लामिक देशों में भरे पड़े हैं। अलबत्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट के 'हिंदूवादी जज' जस्टिस शेखर कुमार यादव के 'बहुमत से चलेगा देश' जैसे स्पष्टवादी बयान को भी उपर्युक्त नसीहतों की कसौटी पर ही कसा जाना चाहिए अन्यथा संसद और सुप्रीम कोर्ट की 'मनमर्जी' (षडयंत्रकारी धर्मनिरपेक्षता/पंथनिरपेक्षता के संदर्भ में) भारत को भी 'अशांत इस्लामिक मुल्क' बना देगी जो हमारे कतिपय धर्मनिरपेक्ष दलों का अघोषित सियासी एजेंडा है जिससे समय रहते ही सावधान हो जाने की जरूरत है। यदि भारत के विद्वान न्यायाधीश, अधिवक्ता, प्रोफेसर, राजनेता,

पत्रकार और बुद्धिजीवियों के समूह इस तथ्य को अब और नजरअंदाज करेंगे तो अशांत मुल्क के रूप में अगला नम्बर हमारे देश का ही होगा जिसके ट्रेलर मोदी काल में जहां तहां विपक्ष के इशारे पर दिखाई भी दे रहे हैं। देखा जाए तो विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक बौद्धिक व राष्ट्रवादी प्रोग्राम 'समान नागरिक संहिताः एक संवैधानिक अनिवार्यता' विषय पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के 'हिंदूवादी जज' जस्टिस शेखर कुमार यादव के द्वारा दिए गए 'विवादित बयान' पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा संज्ञान लिया जाना उचित है लेकिन इसकी सांगोपांग व्याख्या से पहले वह अपने पड़ोसी देशों के हश्र भी देख ले, जहां भारत को कमजोर करने वाले अमेरिकी और चीनी एजेंडे के अनुगामियों ने, उग्रपंथियों ने वहां की धर्मनिरपेक्ष सरकारों को अपदस्थ कर दिया और हिंदुओं पर नाना प्रकार के जुल्म कर रहे हैं। उनकी घटती आबादी इसका सबूत है। जबकि भारत की उदारवादी संसदीय नीतियों और उनकी सुप्रीम व्याख्या की अदूरदर्शिता से यहां की जनसंख्या बेतहाशा बढ़ी है, बेरोजगारी और भरण-पोषण का संकट उतपन्न हुआ है और कानून के उस शासन को भी अब कथित 'भीड़तंत्र" के द्वारा जगह-जगह चुनौती मिल रही है। इस सूरते हाल पर हमारी संसद और सुप्रीम कोर्ट की किंकर्तव्यविमूढ़ता भी जनहित के नजरिए से सवालों के घेरे में है, क्योंकि शांतिपूर्ण तरीके से जीना अब इस देश में भी मुहाल होता जा रहा है, इस्लामिक देशों की तरह। ऐसा इसलिए कि दुनिया की दूसरे सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी भारत में रहती है और इन्हें शिक्षित करने और उग्रपंथी विचारों से अलग रखने में हमारा प्रशासन बुरी तरह से विफल प्रतीत हुआ है। कश्मीर, पश्चिम बंगाल, केरल के अलावा जहां भी मुस्लिमों की ज्यादा आबादी है, वहां पुलिस प्रशासन की चुनौतियों को भी समझा जा सकता है। यह बात आज देश के हर बुद्धिजीवी को अखड़ रही है कि आखिर वोट बैंक की धर्मनिरपेक्ष राजनीति हमें किधर ले जा रही है और इसमें बदलाव के लिए क्या किया जा सकता है! कहना न होगा कि हमारे निर्वाचित नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों व न्यायाधीशों की तरह ही स्पष्टवादी बुद्धिजीवियों के भी कुछ विशेषाधिकार हैं जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संरक्षित हैं और जनमत निर्माण में यथोचित योगदान देते आए हैं, इसलिए जस्टिस यादव के विचारों को भी हमें इसी कसौटी पर कसने की जरूरत है क्योंकि उन्होंने अपने सम्बोधन के क्रम में ही यह साफ कर दिया था कि ये बातें वे जज की हैसियत से नहीं बल्कि एक आम प्रबुद्ध भारतीय की हैसियत से कह रहे हैं और इस पर अडिग रहने की जरूरत है। वर्तमान में शेखर कुमार यादव इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीश हैं। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से 1988 में लॉ ग्रेजुएट शेखर कुमार यादव ने 1990 में वकील के रूप में अपना रजिस्ट्रेशन कराया था। उन्हें 12 दिसंबर, 2019 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। 26 मार्च, 2021 को उन्होंने स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। अपनी पदोन्नति से पहले उत्तर प्रदेश राज्य के स्थायी वकील रहे। भारत संघ के लिए अतिरिक्त स्थायी वकील रहे। यूपी की अदालतों में रेलवे के लिए स्थायी वकील का पद संभाला था। जस्टिस शेखर यादव 2026 में रिटायर होंगे। गत 1 सितंबर, 2021 को जस्टिस शेखर कुमार यादव ने कहा था कि वैज्ञानिकों का मानना है कि गाय ही एकमात्र जानवर है जो ऑक्सीजन छोड़ती है।

दृश्टि कोण

श्रेष्ठ गुणों से जीवन का शृंगार करें

मनुष्य की जिंदगी में उतार-चढ़ाव और बदलाव आते रहते हैं। इसलिए हमारे अंदर कभी भी एक जैसा जोश अथवा स्थिरता नहीं रहती है। अतएव प्रत्येक मानव के लिए जरूरी है कि वह हमेशा जोशीले, मानसिक रूप से सुदृढ़, प्रबल एवं हौसले वाला बना रहे और इसके लिए आवश्यक है कि हम हमेशा मोटिवेटेड रहें और सदैव सकारात्मक सोच रखते हुए जीवन में आगे बढ़ते रहें। हमारे लिए आवश्यक है कि हम अपने आपको अध्ययनशील बनाएं। जोसेफ एडिसन के अनुसार, अध्ययन हमें आनंद प्रदान करता है और योग्य बनाकर अलंकृत करता है। मस्तिष्क की उन्नति के लिए अध्ययन उतना ही आवश्यक है जितना शरीर के लिए व्यायाम करना। वैसे भी आज की पीढ़ी को बदलने की जरूरत है क्योंकि आज का जमाना तेजी और निरंतरता का जमाना है। हमें जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित करके सफलता प्राप्त करने हेतु प्रयत्नरत रहना होगा। यदि हमें अपने जीवन में बदलाव लाना है तो हमें उन लोगों की संगत करनी पड़ेगी जिनके विचार उत्तम हों और इसके लिए हमें एक अच्छे गुरु और मार्गदर्शक की आवश्यकता रहती है। विचारों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। जैसी संगत वैसी रंगत वाली बात हम सबने सुनी हुई है। इसलिए सदैव श्रेष्ठ संगति में रहें। महापुरुषों यथा स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी और अब्राहम लिंकन सरीखी विभूतियों के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करें और तदनुरूप आचरण करें। जहां तक सीखने का सवाल है तो सीखना एक जीवनपर्यंत चलने वाली प्रक्रिया है। मानवीय स्वभाव और जीवन में प्रेम, दया, करुणा और सकारात्मक सोच उसके उज्ज्वल पक्ष को उद्घाटित करते हैं तो वहीं यही सुंदर गुण मानव समाज को एक डोर, एक सूत्र में बांधते हैं और समाज को भयमुक्त एवं आपसी सामंजस्य के साथ जीवन जीने की परिस्थितियों का निर्माण करते हैं। मनुष्य ईश्वर की बनाई हुई सर्वश्रेष्ठ कृति है और भगवान को स्वयं मानव जीवन की खुशियों का आनंद लेने के लिए मनुष्य के रूप में अवतरित होना पड़ता है। यदि मानवीय स्वभाव से दयालुता, उदारता, प्रेम, स्नेह, खुशी, आनंद, कृतज्ञता, हंसी-मजाक और निस्वार्थ भावना को रुखसत कर दें तो फिर प्राणीमात्र में बचा ही क्या? सकारात्मकता का भाव और चैतन्यता हमारे भीतर मानवता के प्रति भलाई और दूसरों की पीड़ा के प्रति हमारी सार्थक सोच को उजागर करती है। लिहाजा हमें हमारे भीतर दूसरों के प्रति दोस्तानापन, विनम्रता, शिष्टाचार, भद्रता और दयालुता की भावना को मजबूती से अपनी आदत का हिस्सा बनाना चाहिए। जब भी हम अपने समाज के कुछ लोगों को दूसरों की समस्याओं, परेशानियों के प्रति चिंतित होकर कुछ सकारात्मक करते देखते हैं तो उनके सकारात्मक कृत्यों से हम भी अनुप्रेरित होते हैं और इससे समाज में अपनेपन का एक स्वस्थ संदेश जाता है और यही अच्छाईयां हमारे परिवेश एवं सृष्टि को रहने योग्य सुंदर जगह बनाती हैं। संत गुरु कबीरजी कह भी गए हैं कि-

नमन खमन अरु दीनता, सबका आदर भाव।
कहे कबीर वही बड़ा, जाका बड़ा स्वभाव।।

अर्थात विनम्रता, क्षमाशीलता, दयालुता और सभी का आदर करने का गुण, ये सभी बड़े स्वभाव वालों के आभूषण होते हैं और ऐसे बड़े स्वभाव वाले व्यक्ति ही वास्तव में बड़े होते हैं। वहीं हमें अपने जीवन में आध्यात्मिक पक्ष को और उज्ज्वल बनाने एवं ईश्वरीय प्रेरणा से सामाजिक कार्यों के लिए अपने आपको समर्पित करने की जरूरत भी रहती है। हमें हमेशा मोटिवेट रहते हुए सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढने के लिए कुछ मंत्रों एवं सूत्रों को अपनाने की आवश्यकता रहती है। जीवन में अपनी क्षमता के अनुसार लक्ष्य तय करने, एकाग्रता, मेहनत, लगन, धैर्य, सकारात्मकता, ज्ञान प्राप्ति द्वारा तैयारी करना, हार न मानना और निरंतरता जैसी आदतों को अपनाकर हम कामयाब हो सकते हैं। हमें हमेशा खुश रहना सीखना चाहिए और छोटी-बड़ी खुशियों का जश्न मनाते रहना चाहिए। आपमें से अनेक ने बहुधा इस दोहे का श्रवण किया होगा-

करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात ते सिल पर करत निशान॥

इस दोहे का भावार्थ यह है कि निरंतर अभ्यास करने से एक मूर्ख आदमी भी बुद्धिमान बन सकता है। जिस तरह कुएं की मुंडेर पर बार-बार रस्सी के घिसने से उस पर निशान पड़ जाते हैं, ठीक उसी तरह यदि इनसान हिम्मत हारे बिना निरंतर कार्य करने की कोशिश करता रहे तो एक न एक दिन वह अवश्य ही सफल हो जाता है। इसके लिए आवश्यक है कि हम अपने कार्यों में निरंतरता बनाए रखें। नियमित रूप से कार्य करते रहें और निरंतर आगे बढ़ते रहें।

पानी है गर मंजिल तो, सपनों में जान लाईए
बुझे हुए से अपने मन में, नए अरमान लाईये।
पंख लगाकर ऊंचे नभ में पक्षी भी उड़ जाते हैं
बिना पंख के नभ छू लें, ऐसी पहचान लाईये।

जीवन में कई बार परिस्थितिवश रुकावटें आ जाती हैं तो भी हमें धैर्य नहीं खोना चाहिए और अपने लक्ष्य को सामने रखकर अभ्यास में जुटे रहना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि मानव मस्तिष्क जिस बात पर विश्वास करता है, सोचता है और महसूस करता है उसे अपने सामर्थ्य से हासिल भी कर लेता है। इस सृष्टि में कुछ भी असंभव नहीं है, हम वह सब कर सकते हैं जो हम सोच सकते हैं और जो हम सोच सकते हैं उसे हासिल भी कर सकते हैं। इसलिए तमाम अवरोधों को दरकिनार करते हुए हमें सदैव अपने जीवन का शृंगार करते हुए इसे उत्सव का स्वरूप प्रदान करना चाहिए। किसी शायर ने क्या खूब लिखा है- यह जीवन एक उत्सव है मनाकर तो देखो।

कुछ अलग

बिना पंखों की उड़ान

तत्ववेत्ता कहते हैं कि अपने अंदर एक शहर ही नहीं, पूरा ब्रह्मांड खुलता महसूस करो। जब से मुल्क के मसीहाओं ने हमारी नौकरी, रोटी और राहत भरे भविष्य की चिंता छोड़ कर हमें ऐसे तत्व चिंतन से जीवन जीने का संदेश देना शुरू किया है, हमने भी रुख बदल कर पलायन में राहत तलाश शुरू कर दी है। शुरू से सुनते आए थे कि रोटी, रोजी दे न सके, वह सरकार निकम्मी है। जो सरकार निकम्मी है वह सरकार बदलनी है। अब बदलने की तो बात ही न कीजिए। आजकल तो बदलने की बात गुनाह है, जिसे देखो वही उम्र भर का सामना करता नजर आता है। पल की खबर नहीं, इसके बारे में न कोई सोचता है, न कोई महसूस करता है। जो एक बार चुनाव जीत जाता है, उसका सपना अपनी गद्दी पर फैवीकोल हो जाने का हो जाता है। अचानक उसके अंदर समाज से अधिक परिवार का दायित्व जाग जाता है। जब तक जियें अपने लिए गद्दी सुरक्षित रखें, उसके बाद बेटे-बेटियां ही नहीं, नाती-पोते भी तो हमारी जिम्मेदारी है। अपने अंदर जो ब्रह्मांड नेता जी खुलता महसूस करते हैं, वह उनके घर के दालान से ही उन्हें खुलता नजर आता है। उन्हें लगता है कि यह निर्विवाद सत्य है कि गरीब के बेटे को गरीब और मजदूर के बेटे को मजदूर रहना है, इसी प्रकार राजा के बेटे को राजा, और नेता के बेटे को नेता रहना है। अब राजे-रजवाड़े तो रहे नहीं, इसलिए वजीरी के सर्वाहितकार इन घरानों में सुरक्षित रहने चाहिए। हम समाजवाद का जितना चाहे राग अलाप लें, राजाओं के घर कभी रंक पैदा नहीं होते। राजपथ अगर उनकी अभीष्ट सडक़ है, तो इस सडक़ को जाने वाली सत्तावन गलियां उनके राजप्रसादनुमा भव्य भवन से ही शुरू होती हैं। देश की 130 करोड़ जनता के लिए एक बरस का जो बजट सरकार बनाती है, उसके बराबर तो देश के एक प्रतिशत की धन-सम्पदा है। ऐसे लोगों को पीढ़ी दर पीढ़ी प्रणाम करके उनकी शोभायात्रा निकालना ही उस 99 प्रतिशत का परम धर्म है। इसी को इस देश में लोकतंत्र की पहचान कहते हैं। यही वह लोकतंत्र है जिसे इस देश का हर आदमी अपने अंदर पिछली पौन सदी से जीता महसूस कर रहा है। सपनों का एक शहर है जो नेता लोग अपने घोषणापत्रों से, भाषणों से उसके अंदर जिंदा करते हैं। इस शहर में न जाने कितने खुल जा सिम-सिम हैं जो उसके अंदर वोट डालने के दिनों में खुल जाते हैं। चार दिन की चांदनी के रूप में न जाने कितने जादुई चिराग हैं जो मीरे कारवां अपनी शोभायात्राओं से उनके अंदर बांट जाते हैं। लीजिये चार दिन चांदनी के गुजर गए, अब फिर अंधेरी रात पसर गई। अब जितना चाहे 'खुल जा सिम-सिम' कह लो, मंजिल तक ले जाने वाली कोई अंधेरी सुरंग उनके लिए नहीं खुलती। जिंदगी में गढ़ा खजाना मिलने की बात उन्हें कैसे कहें, जो पिछली पौनी सदी में कूड़े के डम्प भी अपनी जिंदगी से हटा नहीं पाए। बल्कि अब तो वह डम्प उनकी जिंदगी के पिछवाड़े से सरकर उनकी ड्योढ़ी तक आ गए। उम्मीद थी कि इन सब दिनों में उनकी जिंदगी में तरक्की के सिंहद्वार खुल जाएंगे, लेकिन यह द्वार किसी भूलभलैया में खो गए और रिश्वतखोरी से लेकर दलाली तक को कानूनसम्मत बनाने की मांग होने लगी। जो रास्ते अगली मंजिलों की ओर जाने चाहिए थे, वे अपने अतीत में किस गरिमा की तलाश करने लगे। देश का इतना गरिमापूर्ण अतीत है जनाब कि आज के सुपरसोनिक जैट विमान हमें अपने अतीत के उडऩखटोले नजर आते हैं, जिनमें देव और दानव समान रूप से विचरण करते थे। आज मौत के हरकारे तुम्हें परमाणु बमों और निर्देशित मिसाइल में नजर आते हैं, लेकिन अतीत के महायुद्धों के वीर योद्धाओं के मंत्र सिद्ध आग्नेय बाणों को कैसे भूल गए? क्या नहीं रहा जो भारत जैसी अतीत धनी इस पुण्य धरा पर नहीं था। आओ क्यों न इसका प्रशस्ति गायन करें।

देश दुनीया से

न्यायिक सुधारों के दीर्घकालीन प्रभावों के यक्ष प्रश्न

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के लागू होने के बाद से देश भर में इन नए कानूनों को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। ये नये कानून भारतीय कानूनी प्रणाली के आधुनिकीकरण और सरलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ब्रिटिश काल के पुराने कानूनों को बदलकर, ये नए कानून देश की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप हैं और न्याय व्यवस्था में तेजी लाने, लंबित मामलों को जल्दी निपटाने में मदद करेंगे। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में अपराधों की जांच और मुकदमों को तय समय सीमा में निपटाने की व्यवस्था है, जिससे न्याय में देरी नहीं होगी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए मजबूत प्रावधान किए गए हैं, जिससे सुरक्षा की भावना बढ़ी है और अपराधों पर नियंत्रण की उम्मीद है। इन कानूनों के माध्यम से सरकार कानून का शासन स्थापित करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प दोहरा रही है। कई लोग मानते हैं कि ये कानून देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगे, क्योंकि ये निवेशकों के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार करेंगे। इन कानूनों में तकनीकी बदलाव किए गए हैं, जैसे इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को स्वीकार करना, जो जांच प्रक्रिया को अधिक कुशल और प्रभावी बनाता है। कुछ लोगों का मानना है कि इन नए कानूनों में कई जगह अस्पष्टताएं हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ता भी चिंतित हैं कि इन कानूनों का इस्तेमाल मौलिक अधिकारों का हनन करने के लिए किया जा सकता है। कुछ विपक्षी दलों और कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि इन कानूनों को बनाने में पर्याप्त चर्चा और विचार-विमर्श नहीं किया गया है। कुछ का मानना है कि इन कानूनों के तहत सरकार को बहुत अधिक शक्तियां दे दी गई हैं, जिसका दुरुपयोग हो सकता है। कई विपक्षी दल और नागरिक समाज संगठन इन कानूनों को लोकतंत्र के लिए चुनौती मानते हैं, यह चिंता जताते हुए कि ये कानून सरकार को विरोधियों को दबाने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अतिक्रमण का एक उपकरण प्रदान कर सकते हैं। कानूनों में अस्पष्ट और व्यापक शब्दों के प्रयोग से इनके दुरुपयोग का डर है, जैसे कि 'देशद्रोह' के दायरे को लेकर उठे सवाल। विपक्ष का आरोप है कि इन कानूनों को संसद में बिना पर्याप्त चर्चा और बहस के जल्दबाजी में पारित किया गया। उनका कहना है कि ये कानून व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, विशेषकर गिरफ्तारी और हिरासत से संबंधित प्रावधानों को

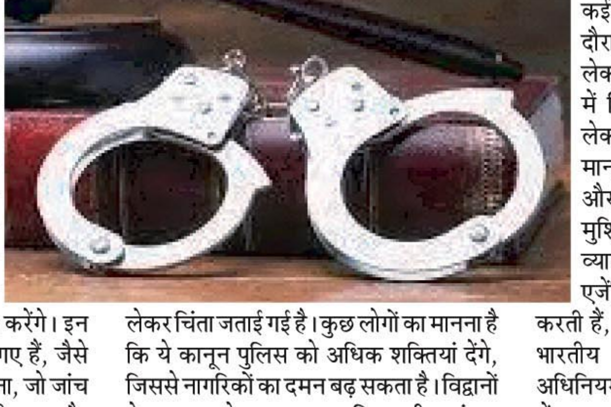

लेकर चिंता जताई गई है। कुछ लोगों का मानना है कि ये कानून पुलिस को अधिक शक्तियां देंगे, जिससे नागरिकों का दमन बढ़ सकता है। विद्वानों के अनुसार, ये कानून न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए चुनौती हो सकते हैं। अल्पसंख्यक समुदाय और विपक्षी दलों का आरोप है कि ये कानून विशेष रूप से उनके लिए चिंताजनक स्थितियां उत्पन्न करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कानूनों को लागू करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा और मानव संसाधन अभी भी पर्याप्त नहीं हैं। लोग चिंतित हैं कि इन कानूनों का गलत इस्तेमाल हो सकता है और अधिकारों का हनन हो सकता है। कुछ लोग नए कानूनों का स्वागत कर रहे हैं, जबकि कुछ को संदेह है। कई का मानना है कि इन कानूनों के प्रभाव का सही आकलन करने में समय लगेगा। तर्क देते हैं कि ये कानून देश में कानून व्यवस्था को मजबूत करेंगे, अपराधों पर अंकुश लगाएंगे और न्यायपालिका को अधिक प्रभावी बनाएंगे। वकीलों का एक वर्ग इन कानूनों का विरोध कर रहा है क्योंकि उन्हें लगता है कि ये कानून न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करेंगे। नागरिक समाज के कई संगठन इन कानूनों का विरोध कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि ये कानून लोकतंत्र के मूल्यों के खिलाफ हैं। नए कानून में राजद्रोह के दायरे को लेकर कई सवाल उठे हैं। विपक्ष का तर्क है कि यह प्रावधान सरकार के आलोचकों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। जमानत मिलने के मानदंडों को लेकर भी कई सवाल उठे हैं। पुलिसिया हिरासत के दौरान लोगों के अधिकारों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। नए कानून में डिजिटल निगरानी के प्रावधानों को लेकर भी चिंताएं व्यक्त की गई हैं। कुछ का मानना है कि ये नए कानून काफी जटिल हैं और आम लोगों को इन्हें समझने में मुश्किल होगी। अदालतें इन कानूनों की व्याख्या कैसे करती हैं, और कानून प्रवर्तन एजेंसियां इन कानूनों को किस तरह से लागू करती हैं, यह भी एक महत्वपूर्ण कारक होगा। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में हुए बदलावों को लेकर जनता की प्रतिक्रियाएं विविध हैं। इन कानूनों के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलू हैं। इन कानूनों के दीर्घकालिक प्रभाव का आकलन करने के लिए अभी और समय की आवश्यकता है। देखना बाकी है कि ये कानून जमीनी स्तर पर कैसे लागू किए जाते हैं और उनका आम नागरिकों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कानून एक जीवंत दस्तावेज है और समय के साथ इसमें बदलाव होते रहते हैं।

आप का नजरीया

सुक्खू की कलम से दो साल

माहौल में मुफ्त की वर्जनाएं खामोश रहीं, क्योंकि सामने गारंटियों और वादों की इबारत में सरकार के दो साल का सफर था। सफर आगे बढ़ा तो मंच से कदमताल करती योजनाएं प्रफुल्लित-प्रोत्साहित होकर निकलीं और सज धज के समारोह के पंडाल ने हर संभव लुभाने का प्रयास किया। राजीव गांधी स्टार्ट अप की गाड़ी पर सवार रोजगार दिखाई दिया, तो किसान के खेत से मक्की का आटा निकल कर हिमाचल की प्राकृतिक खेती का शृंगार कर गया। किसान के घर का दूध अपनी कीमत के नए सफर पर निकला, तो गोबर से बनी खाद को आत्मनिर्भरता के तराजू में तौला गया। सुक्खू सरकार ने अपने रिपोर्ट कार्ड में सुर्खियां बटोरी हैं, तो व्यवस्था परिवर्तन की लौ जला कर आत्मनिर्भरता के रास्तों पर मुस्तैद हुई, लेकिन सियासत के खंभों पर पक्ष और विपक्ष के बीच हिमाचल की अपनी व्यथा का हाल उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री सुना गए। वहां नेता प्रतिपक्ष जयराम के नेतृत्व में विपक्ष ने बिलासपुर के सुखद एहसास का राजभवन पहुंच कर अट्टहास किया। आरोपों के छिलकों पर गिरता माहौल हिमाचल के छलनी कंधों को देख रहा है। ये कंधे घायल हैं, क्योंकि उधार की ठोकरें, केंद्र सरकार की उदासीनता और गारंटियों में वित्तीय व्यवस्था के समझौते कहीं तो दामन में चोट खाए ढोंग कर रहे हैं। कुछ पीड़ाजनक-कुछ लज्जाजनक अध्याय हिमाचल की राजनीति से चस्पां हैं। अतीत की मंशा में कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने के आरोपों से भाजपा बच नहीं सकती, क्योंकि कई घड़े फूटे हैं तेरे आंगन में, तब कहीं जाकर यह घास नम हुई। जाहिर है इस साल के जश्न की मुलाकात में सरकार का सशक्त चेहरा मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के साहस और उनके एहसास की छाती बुलंद कर रहा है। वह सरकार के निर्णायक पथ पर अपने संबल से योजनाएं लिख रहे हैं और यहां उनके विजन की पेशकश में हिमाचल के भविष्य का मसौदा बन रहा है। योजनाएं किसान के घर से उसके चूल्हे तक, बेरोजगारी से स्वरोजगार के चूल्हे तक, अनाथ बच्चों के पालन पोषण और निराश्रित महिलाओं के स्वाभिमान तक आश्वासन से परिपूर्ण हैं। सरकार ने बड़ी शिद्दत से अपने दो सालों के सफर को पेश किया है, लेकिन अब गोबर सने हाथों से शिमला की फाइलों से फिजूलखर्ची हटानी होगी। प्रदेश की मौजूदा वित्तीय स्थिति से 2032 तक आत्मनिर्भरता के डग भरने का संकल्प नए निवेश, विनिवेश, प्रशासनिक-आर्थिक सुधारों के अलावा सामाजिक व सांस्कृतिक समर्थन से ही पूरा होगा। सरकार चल रही है, लेकिन अलग अंदाज से चलने के लिए नई धूप और नई छांव तैयार करनी होगी। कई घाटे के सार्वजनिक उपक्रमों की छत हिमाचल की धूप-हिमाचल की आभा को रोक रही है। आधे रास्तों पर खड़ी हो रही सरकारी बसें, प्रदेश की आत्मनिर्भरता के सफर पर रोड़े अटका रही हैं, तो असफल विभागीय कौशल को चेतनावस्था में लाना होगा। बहरहाल दो साल के सफर की कहानी का मंचन मुख्यमंत्री की इच्छाशक्ति को घर और घर से बाहर पूर्ण विश्वास के साथ पेश कर रहा है। सरकार ग्रीन राज्य की तस्वीर में पुष्ट होना चाहती है। सरकार पर्यटन राज्य की तासीर में आगे बढना चाहती है।

आमरण अनशन पर बैठे डल्लेवाल ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

पत्र पर डल्लेवाल ने खून से किए हैं हस्ताक्षरअनशन समाप्त करवाने को हाई कोर्ट में याचिका

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर किसानों की मांगों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। डल्लेवाल ने इस पत्र पर अपने खून से हस्ताक्षर किए हैं। इसी बीच डल्लेवाल का आमरण अनशन खुलवाने के लिए पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। दरअसल, किसानों की मांगों को लेकर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल 17 दिन से मरणव्रत पर हैं। उनकी तबीयत बिगड़ती जा रही है। डल्लेवाल के लिए तैनात निजी डॉक्टरों ने मेडिकल बुलेटिन जारी कर बताया है कि उनका वजन 12 किलो से ज्यादा कम हो गया है। उनकी किडनी कभी भी फेल हो सकती है या उन्हें हार्ट अटैक भी आ सकता है। इतना ही नहीं डॉक्टरों के मुताबिक इतने दिनों तक भूखे रहने की वजह से उनके लिवर में भी दिक्कत आ सकती है। किसान नेता डल्लेवाल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम लिखे पत्र में कहा है कि मैं देश का साधारण किसान जगजीत सिंह डल्लेवाल भारी मन से पत्र लिख रहा हूं। यह आंदोलन 13 फरवरी से चल रहा है। सरकार टस से मस नहीं हुई तो 26 तारीख से मरणव्रत शुरू कर दिया। जिन मांगों को लेकर यह संघर्ष चल रहा है, वह विभिन्न सरकारों के किए गए वादे ही हैं। वर्ष 2011 में किए गए वादे पूरे करो या मेरी कुर्बानी लेने को तैयार रहें। अगर मेरी जान चली गई तो इसकी जिम्मेदारी आपकी होगी। क्योंकि मैं सरकार से आहत हूं और मैंने मरणव्रत शुरू किया है। अगर इन दोनों मोर्चों का कोई नुकसान होता है तो इसकी जिम्मेदारी आपकी होगी। यह मेरा आपको पहला और आखिरी लेटर है। इसी बीच डल्लेवाल के आमरण अनशन को लेकर गुरुवार को एडवोकेट वासु रंजन शांडिल्य ने पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की है। याचिका में उन्होंने कोर्ट से मांग की है कि जल्द से जल्द डल्लेवाल के मरणव्रत को खत्म करवाया जाए। साथ ही मांग की गई है की डल्लेवाल को जरूरी डॉक्टरी सहायता देने के लिए जरूरी कदम भी उठाए जाएं। याचिका में उन्होंने शुक्रवार को ही इस मामले की सुनवाई करने की मांग की है।

35 लाख करोड़ के एमओयू को लाएंगे धरातल पर : राठौड़

जोधपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान राइजिंग ग्लोबल समिट में राज्य सरकार द्वारा 35 लाख करोड़ के एमओयू साइन है जो आगामी आने वाले दिनों में धरातल पर लाए जाएंगे। यह बात उन्होंने जोधपुर प्रवास के दौरान मीडिया से बात करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने यहां कई कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने कहा कि एक वर्ष में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की जनता के लिए कई सारी योजनाओं को साकार किया है जिसमें पेट्रोल डीजल के दामों में कमी, किसान निधि में वृद्धि आदि प्रमुख है। इसके साथ ही आगामी चार सालों में भजनलाल सरकार प्रदेश के लिए कई नई योजना ला रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान राइजिंग ग्लोबल समिट के बाद प्रदेश का विकास होगा और इस निवेश को धरातल पर लाकर उसकी समीक्षा की जाएगी।

यमुनानगर : भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी : श्याम सिंह राणा

यमुनानगर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा चलाए जा रहे प्राथमिक सदस्यता अभियान के तहत रादौर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा द्वारा 50 हजार से ज्यादा प्राथमिक सदस्य बनाने का लक्ष्य हासिल करने पर कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने रादौर विधानसभा क्षेत्र के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई दी। गुरुवार को यह जानकारी देते हुए भाजपा सरकार कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि भाजपा के सदस्यता अभियान के तहत रादौर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा पदाधिकारीगण व कार्यकर्ताओं की मेहनत से 50 हजार से ज्यादा प्राथमिक सदस्य बना कर लक्ष्य को पूरा किया गया है और यह सभी भाजपा पदाधिकारीगण व कार्यकर्ताओं की मेहनत से संभव हो पाया है। इसके लिए वह सभी रादौर विधानसभा क्षेत्र के चारों मंडलों नाहरपुर, ऊंचा चांदना, रादौर, फर्कपुर के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई व धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली द्वारा भाजपा सदस्यता अभियान अभी 15 दिसम्बर तक बढ़ाया गया है व इस संख्या में और अधिक वृद्धि होगी ऐसा उन्हें पूर्ण विश्वास है। भाजपा का सदस्यता अभियान पार्टी की नींव है। भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है व भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। हरियाणा राज्य में व केंद्र में भाजपा की डबल इंजन की सरकार कार्यरत है। भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने जानकारी देते हुए बताया कि भाजपा के प्राथमिक सदस्य बनने के लिए, आमजन 8800002024 नंबर पर मिस्ड कॉल करके व नमो ऐप के माध्यम से रेफरल कोड लगाकर सदस्य बन सकते हैं।

सुखबीर बादल की धार्मिक सजा पूरी

अब अकाल तख्त साहिब पर होंगे पेश

चंडीगढ़ (हिंस)। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह के अकाली दल के पूर्व अध्यक्ष सुखबीर बादल और अन्य अकाली नेताओं को सुनाई गई धार्मिक सजा गुरुवार को पूरी हो गई। अब सुखबीर बादल शुक्रवार को दोबारा अकाल तख्त साहिब पर पेश होकर अपनी सजा का ब्यौरा देंगे। तत्पश्चात सुखबीर बादल दरबार साहिब में पश्चाताप अरदास करवाएंगे। सुखबीर बादल और अन्य अकाली नेताओं को सत्ता में रहते हुए पंथक मामलों की अनदेखी करने, डेरा सच्चा सौदा मुखी राम रहीम को माफी दिलवाने आदि जैसी आरोपों के बाद बीती दो दिसंबर को अकाल तख्त साहिब पर पांचों सिंह साहिबानों की मौजूदगी में अकाल तख्त जत्थेदार ने धार्मिक सजा सुनाई थी। इसके बाद सुखबीर बादल ने तीन दिसंबर को दरबार साहिब में सेवादार के कपड़े पहनकर पहले मुख्य द्वार के बाहर बतौर चौकीदार सजा भुगती, उसके बाद कीर्तन सुना व बर्तन सेवा की। चार दिसंबर को सुखबीर बादल जब सजा भुगत रहे थे तो कट्टरपंथी नारायण सिंह चौड़ा ने उन पर फायरिंग कर दी, जिसमें वह बाल-बाल बचे थे। इसके बाद सुखबीर बादल अन्य गुरुद्वारा साहिबानों में दो-दो दिन की सजा भुगतते रहे। गुरुवार को सुखबीर बादल ने सजा के अंतिम दिन मुक्तसर साहिब के गुरुद्वारा श्री टूटी गढी साहिब में पहुंचकर सबसे पहले नीला चोला पहना और एक घंटे गेट पर बैठे रहे। इसके बाद एक घंटा कीर्तन सुना और इसके बाद वह बर्तन साफ करने की सेवा की। इसी के साथ उन्हें सुनाई गई धार्मिक सजा आज पूरी हो गई। अब सुखबीर बादल शुक्रवार को अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होकर अरदास कराएंगे। इसके बाद सुखबीर बादल पहले की तरह सामान्य जीवन में लौटेंगे।

उप्र के हाथरस दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मिले राहुल गांधी

हाथरस (हिंस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के ग्राम बूलगढ़ी में दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने 45 मिनट तक पीड़िता के परिवार वालों से बातचीत की। राहुल गांधी के दौरे के मद्देनजर हाथरस में सुरक्षा व्यस्था और बढ़ा दी गई थी। कांग्रेस पदाधिकारियों ने बताया कि वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने हाथरस दौरे की यह योजना अचानक बनाई और सुबह 7 बजे दिल्ली से हाथरस के लिए निकले थे। उल्लेखनीय है कि 14 सितंबर 2020 को 19 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई थी। इसके बाद दिल्ली में इलाज के दौरान 29 सितंबर 2020 को उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने घरवालों की सहमति के बिना युवती का रात में ही अंतिम संस्कार कर दिया था। मामला देशभर में सुर्खियों में रहा। उप्र पुलिस की जांच पर सवाल खड़े हुए तो इसकी जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। कांग्रेस नेता के हाथरस दौरे को लेकर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि राहुल गांधी हाथरस मामले की जांच सीबीआई ने की है। मामला

कोर्ट में चल रहा है। राहुल उत्तर प्रदेश को अराजकता और दंगों की आग में झोंकना चाहते हैं। पीड़ित लड़की के भाई ने बताया कि एसडीएम हाथरस नीरज शर्मा एक दिन पहले उनके घर की पैमाइश करने आए थे। अभी तक उनकी दो मांगें पूरी नहीं हुई। पहली-हाथरस के बाहर एक घर, दूसरी परिवार के एक सदस्य को नौकरी। इस मामले की जानकारी राहुल गांधी को मिली है। इसी को लेकर वह हमसे मिलने आए थे। विगत जुलाई महीने में लड़की के पिता ने राहुल गांधी को चिट्ठी लिखी थी। इसमें कहा गया था कि सरकार ने जो वादे किए थे, उसे पूरे नहीं किए। परिवार सीआरपीएफ की कड़ी सुरक्षा में कैद है। न कोई रोजगार है। न ही रोजगार के लिए, कोई बाहर जा पा रहा है। घर में तीन बेटियां हैं, उनकी पढ़ाई-लिखाई तक नहीं हो पा रही। परिवार की मानसिक स्थिति बहुत खराब चल रही है। 14 सितंबर, 2020 को हुई घटना बहुत ही भयानक थी, जिसमें मेरी बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ। उसकी रीढ़ की हड्डी तोड़ दी गई थी। जीभ काट दी गई। मेरी परमिशन के बिना प्रशासन ने रात में बेटी के शव को जला दिया। आज तक मुझे और मेरे परिवार को यह तक नहीं पता है कि बॉडी किसकी जलाई गई थी। इस केस की सीबीआई जांच हुई थी। इसमें चारों आरोपी दोषी थे। मरने से पहले बेटी ने चारों आरोपियों का नाम बताया था। घटना के बाद12 बेटी का मेडिकल नहीं कराया गया। सीबीआई ने अपनी चार्जशीट में चारों को आरोपी बनाया था लेकिन ट्रायल कोर्ट ने 3 आरोपियों को ही एससी-एसटी एक्ट में सजा सुनाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिवार को घर और एक सदस्य को नौकरी देने का लिखित आश्वासन दिया था। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने नौकरी और घर देने के संबंध में राज्य सरकार को आदेश दिया था, लेकिन आदेश का पालन अभी तक नहीं किया गया। इस मामले के तीन आरोपियों- रामू, लवकुश, रवि रिहा हुए। चौथा आरोपी संदीप गैर इरादतन हत्या का दोषी करार दिया गया। उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई। दुष्कर्म या सामूहिक दुष्कर्म का आरोप कोर्ट में साबित नहीं हो पाया।

चंडीगढ़ कांसर्ट वमें बच्चों को मंच पर नहीं बुला सकेंगे दिलजीत दोसांझ

चंडीगढ़ (हिंस)। विवादों में घिरे पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के साथ एक और नया विवाद जुड़ गया है। चंडीगढ़ में 14 दिसंबर को होने वाले कार्यक्रम से पहले बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने एडवाइजरी जारी की है। आयोग ने कांसर्ट के आयोजकों व दिलजीत को पटियाला पैग, पंज तारा ठेके और केस जैसे गाने को तोड़-मरोड़ कर न गाने की हिदायत दी है। साथ ही छोटे बच्चों को स्टेज पर न बुलाने की भी हिदायत दी गई है। यह मामला चंडीगढ़ के एक्टिविस्ट एसोसिएट प्रोफेसर पंडित धरेनवर ने उठाया है। आयोग द्वारा जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार वयस्कों को 140 डीबी से अधिक ध्वनि दबाव स्तर के संपर्क में नहीं आना चाहिए। बच्चों के लिए यह स्तर 120 डीबी तक कम कर दिया गया है। ऐसे में सलाह दी जाती है कि लाइव शो के दौरान बच्चों को मंच पर न बुलाएं। आयोग ने उन्हें पटियाला पैग, 5 तारा, केस आदि गाने गाने तोड़ मरोड़ कर भी गाने से बचने की हिदायत दी है। क्योंकि उनमें शराब, ड्रग्स और हिंसा को बढ़ावा देने वाले शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। ये गाने संवेदनशील उम्र के बच्चों को प्रभावित करते हैं। आयोग ने आयोजकों को निर्देश जारी किए हैं कि 25 वर्ष से कम आयु के युवाओं को शराब न दी जाए, जो जेजे अधिनियम (जुवेनाइल जस्टिस) और कानून के अन्य प्रावधानों के तहत दंडनीय है।

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव में बीकानेर के 324 नवचयनित कार्मिकों को मिले नियुक्त पत्र

बीकानेर (हिंस)। राज्य सरकार के वर्तमान कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने पर गुरुवार को जोधपुर में आयोजित मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के दौरान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजकीय सेवाओं में नियुक्त पंद्रह हजार युवाओं को नियुक्त पत्र प्रदान किए। इसका सीधा प्रसारण रवींद्र रंगमंच पर किया गया। कार्यक्रम में खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, बीकानेर (पूर्व) विधायक सिद्धि कुमारी, श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत, बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष राम गोपाल सुथार मुख्य अतिथि रहे। इस दौरान संभागीय आयुक्त वंदना

सिंघवी, पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) डॉ. दुलीचंद मीना, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. देवेन्द्र चौधरी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार गुप्ता, नगर निगम उपायुक्त यशपाल आहूजा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने विभिन्न जिलों के नव नियुक्त सरकारी कार्मिकों से वीसी के माध्यम से संवाद किया। इस दौरान जिले में विभिन्न विभागों के 324 नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। विद्यार्थियों को साइकिल, व्यावसायिक टूल किट, टेबलेट और स्कूटी भेंट की। जिला शिक्षा अधिकारी गजानंद शर्मा ने बताया कि 10वीं एवं 12वीं कक्षा के 12 हजार 81 छात्राओं को साइकिल, 1 हजार 69 विद्यार्थियों को वोकेशनल एजुकेशन के तहत व्यवसायिक टूल किट, 1 हजार 68 विद्यार्थियों को टैबलेट और तीन सौ छह बालिकाओं को स्कूटी भी वितरित की जाएगी।

झांसी में भारी विरोध के बीच मुफ्ती खालिद को एनआईए ने लिया हिरासत में

झांसी (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और यूपी एटीएस की संयुक्त टीम ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में छापा मारकर महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए और शहर काजी के भतीजे मुफ्ती खालिद नदवी को हिरासत में लिया। खालिद को हिरासत में लेने के लिए एनआईए को काफी मशक्कत करनी पड़ी। सूत्रों ने बताया कि एनआईए और यूपी एटीएस की यह संयुक्त कार्रवाई ऑनलाइन विदेशी फंडिंग के मामले में हुई है। एनआईए और यूपी एटीएस ने बुधवार रात 2.30 बजे सुपर कॉलोनी में मुफ्ती के घर छापा मारा। टीम ने आठ घंटे तक घर में तलाशी और पूछताछ की। इस पर मस्जिद में ऐलान किया गया और बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुषों ने एनआईए व एटीएस की टीम का विरोध जताते हुए धक्का-मुक्की की। गुरुवार सुबह जब मुफ्ती को हिरासत में लेकर टीम घर से बाहर निकलने लगी तो समर्थकों ने विरोध शुरू कर दिया। टीम ने समझाने की कोशिश की, लेकिन मुफ्ती के समर्थक उग्र हो गए। देखते ही देखते वहां

200 से अधिक लोग जमा हो गए। भीड़ मुफ्ती को छुड़ाकर ले जाने लगी। एनआईए ने लोगों को खदेड़ने की कोशिश की। इस बीच झड़प और धक्का-मुक्की हुई। लोग मुफ्ती को खींचकर साथ ले गए। इस दौरान हंगामा कर रहे लोगों को समझाया, फिर सभी माने। पुलिस को इसमें करीब तीन घंटे का वक्त लग गया। तब कहीं एनआईए व एटीएस की टीम नदवी को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए पुलिस लाइन जा पहुंची। जिस कॉलोनी में मुफ्ती का घर है, वह मुस्लिम बाहुल्य है। मुफ्ती खालिद नदवी ने बताया कि एनआईए ने रात 3 बजे दरवाजा खटखटाया। डर के मारे दरवाजा नहीं खोला, फिर चाचा को फोन किया। थोड़ी देर में चाचा आए। इसके बाद दरवाजा खोला। टीम ने घर को चेक किया। कवर्ड में रखी गई किताबों को देखा। एक-एक किताब के बारे में पूछताछ की। किताब लिखने वालों के बारे में पूछा। मेरा पासपोर्ट जब्त कर लिया। मेरा वीजा देखा। मैं अक्तूबर में हज करने गया था, तो उसके बारे में पूछा। टीम ने वॉट्सऐप चैट चेक किया। नंबरों के बारे में जानकारी ली। छात्रों के एडमिशन के फॉर्म भी देखे। उसने यह भी बताया कि मैं 11 साल से ऑनलाइन पढ़ा रहा हूं। मेरी फीस 50 रुपए से 1500 रुपए तक है। टीम ने विदेशी फंडिंग के बारे में पूछा कि आपने बाहर रुपए ट्रांसफर किए? जवाब में मैंने कहा-ऐसी कोई बात नहीं है।

जयपुर के दस थाना इलाके में पुलिस ने तस्करों के ठिकानों पर मारी रेड

जयपुर (हिंस)। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन *क्लीन स्वीप* के तहत ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ विशेष अभियान के तहत महेश नगर, करधनी, जयसिंहपुरा खोर, ट्रांसपोर्ट नगर, श्याम नगर, शिवदासपुरा, सांगानेर सदर, मुहाना, प्रताप नगर एवं रामनगरिया थाना इलाके में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले ठिकानों पर छापेमारी करते हुए ग्यारह मामले दर्ज किए गए है और साथ ही तीन महिलाओं सहित बारह अवैध मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है वहीं एक महिला फरार हो गए है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार आरोपियों के पास से अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स 187 ग्राम, स्मैक 83.26 ग्राम, गांजा एक किलो 504 ग्राम, अवैध शराब के 139 पव्वे एवं 16 बोतल बीयर एवं बिक्री की राशि 25 हजार रुपए बरामद किए गए है। पुलिस के अनुसार बरामद अवैध मादक पदार्थ की अनुमानित अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत एक करोड़ रुपए है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत महेश नगर, करधनी, जयसिंहपुरा खोर, ट्रांसपोर्ट नगर, श्याम नगर, शिवदासपुरा, सांगानेर सदर, मुहाना, प्रताप नगर एवं रामनगरिया थाना इलाके में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर राकेश बंसल (35) निवासी मानसरोवर जयपुर, विजय सिंह (37) निवासी सुदर्शनपुरा करतारपुरा अशोक नगर जयपुर, विक्की धानका (24) निवासी टोंक फाटक बजाज नगर जयपुर, साहिल मालावत (19) निवासी पनियाला मोड़ जिला कोटपूतली बहरोड, एजाज खान उर्फ सलमान (24) निवासी उत्तरप्रदेश हाल निवारू रोड जयपुर, महिला तस्कर प्रेरणा (19) निवासी श्याम नगर जयपुर हाल श्याम नगर जयपुर, राहिल खान उर्फ अनस (27) निवासी रामगंज जयपुर, नगीना (29) निवासी भांकरोटा जयपुर हाल प्रताप नगर जयपुर, राहुल सोलंकी (19) निवासी सूरसागर जिला जोधपुर हाल शिवदासपुरा जयपुर, राधा सांसी (40) निवासी नासिरदा जिला टोंक हाल सांगानेर सदर जयपुर, पारस जैन (51) निवासी मालपुरा गेट जयपुर हाल रामनगरिया जयपुर, लक्ष्मण (32) निवासी मुहाना जयपुर को गिरफ्तार किया है और वहीं एक महिला तस्कर कमली सांसी फरार हो गई।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधार हुए : केंद्रीय मंत्री शेखावत

नई दिल्ली/जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधार हुए हैं, जिनसे भारतीयों को सामाजिक-आर्थिक के साथ ही बौद्धिक लाभ भी मिल रहा है। भारतीय संस्कृति अब अवहेलना और अपमान की शिकार नहीं रही, देश के वातावरण में इस बदलाव को महसूस किया जा सकता है। इस क्रम में दुनिया का सबसे बड़ा युग युगीन संग्रहालय नई दिल्ली में बन रहा है। गुरुवार को अपने आवास पर पत्रकारों से वार्ता में शेखावत ने कहा कि राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, वैश्विक काशी संस्कृति पथ, पुरावशेषों का प्रत्यावर्तन, शास्त्रीय भारतीय भाषाओं की संख्या में वृद्धि, परी परियोजना, पहले एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन का आयोजन और संविधान अपनाने के 75वें वर्ष का स्मरण दिवस आदि पहलें अतुलनीय हैं। महाकुंभ-2025 का आयोजन हमारी सांस्कृतिक समृद्धि को विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाएगा। शेखावत ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र को 'विकसित भारत' निर्माण का अभिन्न हिस्सा बनाने की सशक्त तैयारी है। टूरिज्म में 76.17 मिलियन नौकरियां सृजित की गई हैं। पर्यटन दीदी और पर्यटन मित्र कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। विदेशी मुद्रा आय में वर्ष 2014 की तुलना में 42.53 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 28.07 बिलियन डॉलर की आय अनुमानित है। घरेलू पर्यटकों की संख्या में 95.64 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। वैश्विक यात्रा व पर्यटन विकास सूचकांक में भारत की रैंकिंग 65 से 39 पर आ गई है। गंतव्य विकास के लिए, 68, 00 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं पूरी की गई हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि राज्यों में 3, 295.76 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। ई-पर्यटक वीजा सुविधा लाभकारी सिद्ध हो रही है। शेखावत ने संस्कृति और पर्यटन क्षेत्र विषयक जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि *विकास भी, विरासत भी* की सोच से हम आगे बढ़ रहे हैं।

महिलाओं ने ली जदयू की सदस्यता

भागलपुर (हिंस)। भागलपुर महानगर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों से आयी हुई महिलाओं ने नीतीश कुमार के सिद्धांतों से प्रभावित होकर भागलपुर महानगर जदयू कार्यालय में गुरुवार को महानगर जिलाध्यक्ष संजय साह की उपस्थिति में जदयू की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वालों में मुख्य रूप से रोजी देवी, रीना देवी, वंदना देवी, कुसुम देवी, प्रतिमा देवी, रेखा देवी, लाली कुमारी, बीना देवी, कौशल्या देवी, पूर्णिमा देवी, नंदनी देवी, राजा कुमार, सुजीत कुमार सहित कई अन्य लोग शामिल थे। मौके पर महानगर अध्यक्ष संजय शाह ने कहा कि बिहार के मुखिया नीतीश कुमार ने महिलाओं के लिए जो काम किया है। ये हर राज्य के लिए एक रोल मॉडल है।

महाकुंभ में *हर घर जल गांव* बसाएगी योगी सरकार

प्रयागराज (हिंस)। योगी सरकार महाकुंभ में *हर घर जल गांव* बसाएगी। पेयजल का समाधान, मेरे गांव की पहचान थीम पर यह *गांव* 40 हजार स्क्वायर फीट एरिया में बसेगा। इसमें एक तरफ जहां जल जीवन मिशन बुंदेलखंड में हर घर तक नल से जल पहुंचाने की कहानी सुनाई जाएगी, वहीं दूसरी तरफ महाकुंभ में नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के नए गांवों की सफलता की दास्तां से भी श्रद्धालु, पर्यटक व कल्पवासी परिचित होंगे। योगी सरकार के मार्गदर्शन में ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग महाकुंभ में इसकी तैयारी कर रहा है। -51 दिन तक चलेगी प्रदर्शनी, होंगे अलग-अलग कार्यक्रम कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में योगी सरकार के प्रयास से पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। सफलता की इस कहानी को लेकर *पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान* थीम पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी 5 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगी। 51 दिन तक चलने वाली प्रदर्शनी में अलग-अलग कार्यक्रम भी होंगे। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड के ग्रामीण महिलाओं को मंच मुहैया कराया जाएगा, जिसमें वे बुंदेलखंड में बदलाव की कहानी बयां करेंगी। बांदा, झांसी, चित्रकूट के जिन गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी, वहां भी योगी सरकार ने ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल पहुंचाया। ललितपुर व महोबा के उन गांवों की महिलाएं, पानी ढोने के कारण जिनके सिर से बाल गायब हो गए थे। वे भी डबल इंजन सरकार के अतुलनीय कार्य को महाकुंभ में शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी को बयां करेंगी। प्रदर्शनी में पांच भाषाओं में मिलेगी जानकारी ललितपुर से सटे मध्य प्रदेश के बॉर्डर के *बाल विहट* गांव में एक ही कुआं था। इसमें सांप रहते थे, इसके बावजूद यहां के लोग इसी कुएं का पानी पीते थे। मोदी-योगी सरकार ने इस गांव के लोगों को भी शुद्ध पेयजल पहुंचाया। यहां के ग्रामीण भी बदलाव की गाथा बयां करेंगे। महाकुंभ में देश के विभिन्न राज्यों व हिस्सों से श्रद्धालु, पर्यटक आएंगे। इसलिए प्रदर्शनी में हर जानकारी बहुआयामी भाषाओं में मिलेगी। यहां हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलगू व मराठी में लोग जल जीवन मिशन के माध्यम से बदले यूपी के बारे में अवगत हो सकेंगे। प्रदर्शनी में जल जीवन मिशन से विंध्य-बुंदेलखंड में आए बदलाव को लेकर सफलता की कहानी का भी संकलन पुस्तक के माध्यम से प्रदर्शित होगा। *जल मंदिर* भी देगा संदेश-जल जीवनदायी है, इसका संरक्षण करें ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग की तरफ से महाकुंभ में *जल मंदिर* भी बनाया जाएगा। *जल मंदिर* में भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर आएंगी। इसके जरिए संदेश दिया जाएगा कि जल प्रसाद है। जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद न करें, बल्कि इसका संरक्षण करें। *जल मंदिर* में सुबह-शाम जल आरती भी होगी। इस आरती में जल जीवन मिशन की गाथा, जल संरक्षण का संदेश भी होगा।

सोना 80 हजार के करीब पहुंचा, चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने का भाव 80 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंचता नजर आ रहा है। सोना 800 रुपये से लेकर 870 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है।

भाव में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये से लेकर 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये से लेकर 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी के भाव में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत घट कर 95,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी भाव में तेजी आने से सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

अदाणी ग्रीन एनर्जी की शाखा ने 250 मेगावाट की सौर परियोजना की शुरू, अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता 11,434 मेगावाट तक बढ़ गई

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एएजीएल) की शाखा ने राजस्थान के जोधपुर जिले में बड़ा कदम उठाया है, जब उन्होंने 250 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना को चालू करने का ऐलान किया। इस परियोजना के चालू होने के साथ एएजीएल की कुल अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता 11,434 मेगावाट तक बढ़ गई है। यह स्थानीय जनता और पर्यावरण के लिए एक सकारात्मक कदम है, क्योंकि यह प्रदूषण मुक्त ऊर्जा के प्रदर्शन को बढ़ावा देगा। एएजीएल के एक प्रतिनिधि ने बताया कि राजस्थान के जोधपुर में यह परियोजना आमजन के लिए भी एक उत्कृष्ट संदेश है, क्योंकि यह सहयोगी ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करते हुए स्वच्छता और सामर्थ्य की ओर बढ़ावा देगा। यह परियोजना अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. (एएजीएल) की संगीनी के साथ एक उत्कृष्ट पार्टनरशिप का एक और उदाहरण है। इस सीड में नई सौर ऊर्जा परियोजना के शुरू होने से सामाजिक और आर्थिक विकास में गुणवत्ता और स्थायित्व का अंबर मौजूद हो सकता है। यह परियोजना एक साफ भविष्य की ओर कदम बढ़ाती है, जो मित्र शासकीय और उद्यमिता संगठनों के बीच एक मिलन से मिलकर आधुनिक समाज और पर्यावरण के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण साबित हो सकता है।

एफटीए की वार्ता को एक-दूसरे की संवेदनशीलता समझने राजनीतिक दिशा जरूरी

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ में मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) की वार्ता को एक दूसरे की संवेदनशीलताओं को समझने के लिए राजनीतिक दिशा की आवश्यकता है, इस बारे में व्यापारिक मंत्रियों ने आधिकारिक बयान दिया। व्यापार एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि हमारा लक्ष्य एक संतुलित, महत्वाकांक्षी और पारस्परिक लाभकारी एफटीए है। उन्होंने इसे एक सार्थक समझौते तक पहुंचाने के लिए राजनीतिक दिशा की महत्वता बताई। मंत्री ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौते से भारत को अपनी वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की अर्थव्यवस्था को वृद्धि के मार्ग पर ले जाने के लिए इस समझौते का महत्वपूर्ण योगदान होगा। इस समझौते से भारत को अपने बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि करने के लिए विश्व के प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ संतुलित समझौते करने की कोशिश की जा रही है। यह समझौता भारत के लिए एक नया प्रेरणा स्रोत है जो आने वाली वर्षों में उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद करेगा।

एनआईए ने यात्रियों के लिए इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवा शुरू की, टैक्सी सेवा चौबीस घंटे और हर सप्ताह के सात दिन उपलब्ध रहेगी

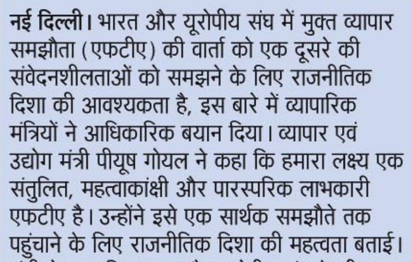

मुंबई। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनआईए) ने अपने यात्रियों के लिए एक नया सुविधा शुरू की है, जो उन्हें अब प्रीमियम और पूर्णतः इलेक्ट्रिक टैक्सियों की सेवा प्राप्त करने का अवसर देती है। इसके लिए एनआईए ने महिंद्रा लॉजिस्टिक्स मोबिलिटी के साथ साझेदारी की है। यह सेवा चौबीस घंटे और हर सप्ताह के सात दिन उपलब्ध रहेगी, जिसमें यात्रियों को प्रीमियम पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ की सुविधा मिलेगी। यात्री इन सेवाओं को मोबाइल एप्लिकेशन, वेबसाइट, कॉल सेंटर या एयरपोर्ट कियोस्क के माध्यम से बुक कर सकेंगे। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने इस साझेदारी के महत्व को बताते हुए कहा कि हमने यह साझेदारी महिंद्रा लॉजिस्टिक्स मोबिलिटी के साथ की है ताकि हम अपने यात्रियों को बेहतर सेवा प्रदान कर सकें और उन्हें दूरदराज के लिए सुरक्षित और पर्यावरण-की दृष्टि से उपयोगी साधन प्रदान कर सके। यह पहल एनआईए के यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने का एक उत्कृष्ट कदम है, जिससे सड़कों पर जल ऊर्जा का उपयोग कम होगा और वायु प्रदूषण का स्तर भी कम होगा। इस साझेदारी से यात्रियों को सुरक्षित, तेजी से और पर्यावरण हितैषी तरीके से अपने गंतव्य तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

भारत, यूरोपीय संघ पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए का लक्ष्य बना रहे हैं : पीयूष गोयल

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) एक संतुलित, महत्वाकांक्षी, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का लक्ष्य रखते हैं। भारत और ईयू के बीच प्रस्तावित एफटीए बातचीत को एक-दूसरे की संवेदनशीलताओं को समझते हुए व्यावसायिक रूप से सार्थक सौदे तक पहुंचाने के लिए राजनीतिक दिशा की भी आवश्यकता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय आयोग के प्रतिनिधिमंडल के बीच नई दिल्ली में बातचीत के दौरान इस समझौते पर चर्चा हुई। इस दौरान गोयल ने कहा कि दोनों पक्षों का लक्ष्य एक संतुलित, महत्वाकांक्षी, व्यापक तथा पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच बढ़ते प्रगाढ़ संबंधों और व्यापार पर चर्चा करते हुए गोयल ने कहा कि दोनों पक्ष एक संतुलित, महत्वाकांक्षी, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए का लक्ष्य बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि नौ दौर की गहन चर्चा के बाद एफटीए वार्ता को एक दूसरे की संवेदनशीलता को समझते हुए व्यावसायिक रूप से सार्थक समझौते पर पहुंचने के लिए राजनीतिक निर्देशों की जरूरत है। वाणिज्य मंत्री ने बैठक के दौरान कहा कि अगले कुछ वर्षों में भारतीय इकोनॉमी के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में वार्षिक 7 से 8 फीसदी की दर से वृद्धि होने की आशा है। त्वरित रूप से होने वाली कई गुणा वृद्धि भारत के सकल घरेलू उत्पाद को 2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर (35 लाख करोड़ यूएस डॉलर) की उपलब्धि तक पहुंचाने में सहायता करेगी। इस बातचीत में भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद में प्रगति पर चर्चा करने का अवसर भी मिला। अमेरिका के अलावा भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसके साथ यूरोपीय संघ की ऐसी व्यवस्था है। मंत्रालय के मुताबिक गोयल ने यूरोपीय आयोग के प्रतिनिधिमंडल, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, चेक गणराज्य, एस्टोनिया, इटली, आयरलैंड, लातविया, लिथुआनिया, माल्टा, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाक गणराज्य, स्पेन और स्वीडन के राजदूतों के साथ चर्चा किया। इस बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद, वाणिज्य सचिव, डीपीआईआईटी सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यूरोपीय संघ के साथ भारत के द्विपक्षीय व्यापार के 137.41 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने के बाद यह भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। इसके अलावा वित्त वर्ष 2023-24 में भारत और यूरोपीय संघ के बीच सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार 51.45 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। ईयू के साथ मुक्त व्यापार समझौते से भारत को मूल्य श्रृंखलाओं को सुरक्षित करते हुए वस्तुओं और सेवाओं के अपने निर्यात को और अधिक विस्तारित करने और विविधता लाने में सहायता मिलेगी।

वित्त वर्ष 2024-25 में कर रिफंड 46.31 फीसदी बढ़कर 3.08 लाख करोड़ होगा: वित्त मंत्रालय

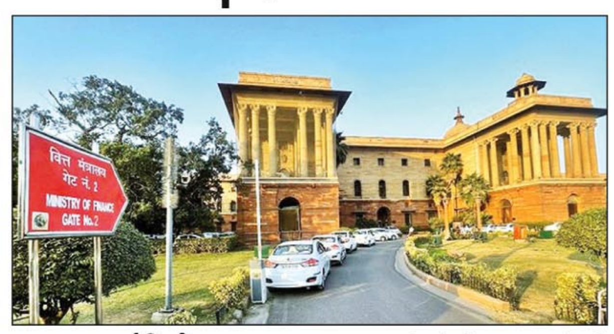

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर रिफंड जारी करने में सुधार की घोषणा की। मंत्रालय ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में एक अप्रैल से 27 नवंबर के बीच 3.08 लाख करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए हैं, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि की तुलना में 46.31 फीसदी की वृद्धि है। वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर बताया कि कर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। आयकर रिटर्न पोर्टल ने एक सेकंड में 900 से ज्यादा फाइलिंग और एक दिन में करीब 70 लाख आयकर रिटर्न (आईटीआर) संभाले। इस साल आकलन वर्ष 2024-25 के लिए एक ही दिन में 1.62 करोड़ से ज्यादा आईटीआर प्रोसेस किए गए। मंत्रालय ने इस वित्त वर्ष की प्रमुख पहलों को साझा करते हुए बताया कि एक दिन में सबसे अधिक आईटीआर दाखिल किए गए हैं। 31 जुलाई, 2024 को 69.93 लाख आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। वहीं, 22 नवंबर, 2024 तक 8.50 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के लिए दाखिल आयकर रिटर्न से 7.32 फीसदी अधिक है। पिछले साल की इसी अवधि में 1 अप्रैल, 2023 से 30 नवंबर, 2023 के बीच कुल 2.03 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया था, जो इस साल प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए मंत्रालय के ठोस प्रयासों को दर्शाता है। इस उपलब्धि को हासिल करने में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने अहम भूमिका निभाई है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक पिछले साल 2.0 प्लेटफॉर्म की शुरुआत और सक्षमता रिफंड में तेजी लाने की प्रक्रिया एक गेम-चेंजर रही है। 2.0 का उपयोग करके 3 करोड़ से अधिक रिफंड जमा किए गए, जिसमें केवल 0.002 फीसदी की प्रभावशाली कम त्रुटि दर थी। जैसे-जैसे वर्ष 2024 समाप्त हो रहा है रिफंड में उल्लेखनीय वृद्धि से व्यक्तिगत करदाताओं और व्यवसायों को समान रूप से राहत मिलने की उम्मीद है। इससे समग्र आर्थिक गतिविधि और अनुपालन में योगदान मिलेगा। इसके साथ ही 2.0 के सफल कार्यान्वयन के साथ, सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में अपने प्रदर्शन को बनाए रखना और उसमें सुधार करना है।

ज्वेलरी प्रदर्शनी

कुवैत में इंटरनेशनल गोल्ड एंड ज्वेलरी प्रदर्शनी में एक महिला ज्वेलरी पेश करती हुई। ये अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी यहां गत दिवस शुरु हुई थी जो 16 दिसंबर तक चलेगी। इसमें 200 भागीदार शामिल हैं।

यूपी और बिहार में पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा

क्रूड ऑयल की कीमतें बीते 24 घंटे के भीतर एक डॉलर से ज्यादा बढ़ी

मुंबई

कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखने को मिल रही है। वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में बीते 24 घंटे के भीतर एक डॉलर से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई है। इसका असर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखा और गुरुवार को ज्यादातर शहरों में तेल महंगा हो गया है। सरकारी तेल कंपनियों द्वारा जारी किए गए नए भाव में गुरुवार को देशभर में बदलाव नजर आ रहा है और अधिकांश शहरों में तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 27 पैसे महंगा होकर 94.98 रुपए लीटर बिक रहा है। डीजल भी 32 पैसे चढ़ा और 88.13 रुपए लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 13 पैसे महंगा हुआ और 105.73 रुपए लीटर हो गया, जबकि डीजल 13 पैसे बढ़कर 92.56 रुपए लीटर पहुंच गया है। हरियाणा के फरीदाबाद जिले में पेट्रोल 32 पैसे चढ़कर 95.56 रुपए लीटर तो डीजल 30 पैसे चढ़कर 88.40 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी उछाल दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 73.52 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बढ़कर 70.40 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.98 रुपए और डीजल 88.13 रुपए प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.73 रुपए और डीजल 92.56 रुपए प्रति लीटर और फरीदाबाद में पेट्रोल 95.56 रुपए और डीजल 88.40 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजार में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख बना हुआ है।

टेक शेयरों में आई तेजी के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल रहा। इस तेजी की वजह से नैस्डेक पहली बार 20 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहा। ये सूचकांक 345.52 अंक यानी 1.76 प्रतिशत उछल कर 20,032.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,084.19 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 124.74 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 44,022.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.26 प्रतिशत उछल कर 8,301.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,423.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,399.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का रुख है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,724.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.50 प्रतिशत टूट कर 7,427.29 अंक के स्तर तक गिर गया है।

दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,804.69 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,453.52 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 270.17 अंक यानी 1.34 प्रतिशत उछल कर 20,425.22 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 516.25 अंक यानी 1.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,888.48 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 237.63 अंक यानी 1.04 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,141.26 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,448.53 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.64 प्रतिशत उछल कर 3,454.52 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने ब्रिसबेन ओलंपिक की सीईओ सिंडी हुक से की मुलाकात

ब्रिसबेन

क्रिकेट वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में अपनी वापसी करने के लिए तैयार है। यह 128 वर्षों के अंतराल के बाद खेल की ओलंपिक में वापसी का प्रतीक है। क्रिकेट आखिरी बार 1900 पेरिस ओलंपिक में शामिल हुआ था, जहाँ ग्रेट ब्रिटेन ने फाइनल में फ्रांस को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने गुरुवार को ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की आयोजन की सीईओ सिंडी हुक से मुलाकात की।

जय शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, ओलंपिक आंदोलन में क्रिकेट की भागीदारी के लिए बहुत ही रोमांचक समय है - आज ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में ब्रिसबेन 2032 ओलंपिक आयोजन समिति के साथ बैठक हुई।

क्रिकेट को 2028 ओलंपिक में शामिल करने का फैसला पिछले साल अक्टूबर में मुंबई में आयोजित 141वें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति सत्र के दौरान लिया गया था। प्रतियोगिता का प्रारूप टी-20 होगा, जो खेल का एक तेज़-तर्रार और लोकप्रिय संस्करण है, जिसके वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करने की उम्मीद है।

पिछले साल हांग्जो में एशियाई खेलों में क्रिकेट की सफल वापसी के बाद ओलंपिक में क्रिकेट को फिर से शामिल किया गया है। एशियाई खेलों में पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए एक बहु-राष्ट्र टी20 टूर्नामेंट शामिल था। भारत ने इस आयोजन पर अपना दबदबा बनाया और दोनों श्रेणियों में स्वर्ण पदक हासिल किए।

पुरुषों के टूर्नामेंट में, अफगानिस्तान और बांग्लादेश ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते, जबकि महिलाओं के टूर्नामेंट में, श्रीलंका और बांग्लादेश ने रजत और कांस्य पदक जीते। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करना खेल के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो इसके उत्साह और व्यापक अपील को प्रदर्शित करने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर क्रिकेट के विकास के लिए नई उत्सुकता और तैयारियाँ नया उत्साह और अवसर लाने के लिए तैयार हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

ट्रांसजेंडर महिलाओं को ब्रिटेन के कई घरेलू टेनिस टूर्नामेंटों में महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने से रोका गया

लंदन। लॉन टेनिस एसोसिएशन (एलटीए) ने बुधवार को घोषणा की कि जन्म के समय पुरुष माने जाने वाली ट्रांसजेंडर महिला नॉन-बाइनरी व्यक्तियों को अगले महीने से ब्रिटेन में कई घरेलू टेनिस टूर्नामेंटों की महिला श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करने से रोक दिया जाएगा। ब्रिटिश टेनिस की शासी संस्था ने एक नई ट्रांसजेंडर और नॉन-बाइनरी नीति जारी की और कहा कि उसे प्रतिस्पर्धी निष्पक्षता और समावेश के बीच संतुलन बनाना होगा। ये नियम ब्रिटेन में आयोजित विंबलडन या एटीपी और डब्ल्यूटीए जैसे टूर्नामेंटों पर लागू नहीं होते क्योंकि एलटीए उन प्रतियोगिताओं का प्रभारी नहीं है। घरेलू पैडल को इसमें शामिल किया गया है, लेकिन ब्रिटेन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम इसमें शामिल नहीं हैं। एलटीए ने एक बयान में कहा, यह स्पष्ट है कि टेनिस और पैडल लिंग-प्रभावित खेल हैं - औसत पुरुष को औसत महिला के खिलाफ खेलते समय लाभ होता है। इसमें गेंद तक पहुँचने और उसे मारने के लिए लंबे लीवर शामिल हैं और बढ़ी हुई कार्डियो-वैस्कुलर क्षमता का मतलब है कि कोर्ट में अधिक आसानी से घूम पाना। एलटीए ने कहा कि इस बात पर व्यापक सहमति थी कि यह लाभ ट्रांस महिलाओं में काफी हद तक बरकरार रहने की संभावना है, जिससे प्रतिस्पर्धा संभावित रूप से अनुचित हो जाएगी। यह नीति 25 जनवरी को लागू होगी और राष्ट्रीय चैंपियनशिप से लेकर स्थानीय स्तर तक, विभिन्न क्लबों और स्थानों के खिलाड़ियों को शामिल करने वाली लीग और टूर्नामेंट पर लागू होगी। केवल एक स्थान के खिलाड़ियों के साथ आयोजित होने वाले कार्यक्रम, जैसे क्लब चैंपियनशिप और सामाजिक टूर्नामेंट, अपनी खुद की नीति निर्धारित करने में सक्षम होंगे क्योंकि इसका उद्देश्य मुख्य रूप से लोगों को अपने स्थानीय टेनिस समुदाय का हिस्सा महसूस करने में सक्षम बनाने के लिए मजेदार, सामाजिक प्रतिस्पर्धा प्रदान करना है।

पाकिस्तान के खिलाफ बचे दो टी-20 और वनडे श्रृंखला से बाहर हुए एनरिक नॉर्टजे

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज़ एनरिक नोर्टजे पाकिस्तान के खिलाफ बाकी बचे दो टी20 और उसके बाद होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। 31 वर्षीय नॉर्टजे को शुरुआती मैच से बाहर बैठना पड़ा क्योंकि मैच से पहले ट्रेनिंग के दौरान उनके बाएं पैर के अंगूठे में चोट लग गई थी। इसके बाद किए गए स्कैन से पता चला कि गेंदबाज के बाएं पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हुआ है।

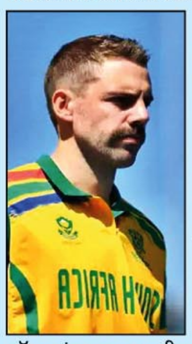

ऑलराउंडर दयान गलीम को नॉर्टजे की जगह टीम में शामिल किया गया है। इस अनकैप्ड पेसर ने अब तक अपने 60 मैचों के टी20 करियर में 46 विकेट चटकाए हैं। इस बीच, नॉर्टजे इस साल जून में आईसीसी टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से दक्षिण अफ्रीका के लिए नहीं खेले हैं, जहाँ वे 15 विकेट लेकर अपने देश के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। कार्यभार प्रबंधन के कारण उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के साथ राष्ट्रीय अनुबंध से भी बाहर होने का विकल्प चुना है। दक्षिण अफ्रीका के लिए चोटिल गेंदबाजों की लंबी सूची में नॉर्टजे पांचवें स्थान पर हैं। गेराल्ड कोएट्ज़ी कमर की चोट के कारण बाहर हैं जबकि नांद्रे बर्गर पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर के कारण बाहर हैं। लुंगी एन्गिडी को कूल्हे में चोट लगी है जबकि श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद बाहर हुए वियान मुल्डर की उंगली टूट गई है।

विजय हजारे ट्रॉफी 2024/25 : तमिलनाडु के कप्तान बने साई किशोर, जगदीशन होंगे उप-कप्तान

नई दिल्ली। तमिलनाडु ने गुरुवार को विजय हजारे ट्रॉफी 2024/25 के लिए अपनी टीम की घोषणा की, जिसमें साई किशोर टीम के कप्तान होंगे और एन जगदीशन उप कप्तान होंगे। विजय हजारे ट्रॉफी के विस्तार के बाद से तमिलनाडु सबसे सफल टीम है, जिसने इसे पांच बार जीता है। पिछले संस्करण में तमिलनाडु की टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जहां उसे अंतिम चैंपियन हरियाणा से हार का सामना करना पड़ा था। विजय हजारे ट्रॉफी 2024/25 के लिए तमिलनाडु की टीम इस प्रकार है- साई किशोर आर (कप्तान), एन जगदीशन (उप-कप्तान), इंद्रजीत बी, आंद्रे सिद्धार्थ सी, बूपति वैष्ण कुमार, तुषार रहेजा, शाहरुख खान एम, मोहम्मद अली एस, संदीप वारियर, दीपेश डी, अच्युत सी वी, प्रणव राघवेंद्र आर डी, अजित राम एस, वरुण सी वी, विजय शंकर, प्रदोष रंजन पॉल।

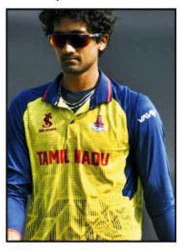

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल के फीफा विश्व कप 2030 की सह-मेजबानी करने पर कहा-एक सपना सच हुआ

नई दिल्ली

दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल द्वारा फीफा विश्व कप 2030 की सह-मेजबानी करने पर कहा कि यह एक सपने के सच होने जैसा लगता है।

2030 विश्व कप इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का 100वां संस्करण होगा और इसकी मेजबानी मोरक्को, पुर्तगाल और स्पेन मिलकर करेंगे।

इस बीच, बुधवार को फीफा ने भी पुष्टि की कि 2034 विश्व कप की मेजबानी सऊदी अरब करेगा।

रोनाल्डो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा कि यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट देश को गौरवान्वित करेगा।

रोनाल्डो ने एक्स पर लिखा, एक सपना सच हुआ। पुर्तगाल 2030 विश्व कप की मेजबानी करेगा और हमें साथ मिलकर गौरवान्वित करेगा।

बुधवार को वर्चुअल फीफा कांग्रेस के दौरान दोनों बोलियों को निर्विरोध और मंजूरी दी गई। इसके साथ ही, अर्जेंटीना और उसके दक्षिण अमेरिकी पड़ोसी देश पैराग्वे और उरुग्वे विश्व कप की शताब्दी मनाने के लिए एक-एक मैच की मेजबानी करेंगे। उरुग्वे ने 1930 में पहला विश्व कप आयोजित किया था।

फीफा ने एक्स पर लिखा, फीफा विश्व कप के अगले दो संस्करणों के लिए मेजबानों का परिचय! 2030 में मोरक्को, पुर्तगाल और स्पेन मेजबानी करेंगे, अर्जेंटीना, पैराग्वे और उरुग्वे में शताब्दी मैच होंगे। चार साल बाद, सऊदी अरब फीफा विश्व कप 2034 की मेजबानी करेगा।

इन तीन मैचों में से पहला मैच उरुग्वे के एस्टाडियो सेंटेनारियो में खेला जाएगा, जहां से यह सब शुरू हुआ था, फीफा कांग्रेस के दौरान मौजूद देशों ने अपने कैमरों के सामने ताली बजाकर अपना वोट दिया।

पिछले साल, सऊदी अरब 2034 विश्व कप के लिए एकमात्र बोलीदाता के रूप में उभरा, जिसमें फीफा ने 2030 और 2034 टूर्नामेंटों के निर्णयों को एक ही वोट में मिलाने का फैसला किया।

आधिकारिक घोषणा के बाद, सऊदी अरब पहली बार टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, जो खेल की दुनिया में उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। सऊदी अरब की बोली को फीफा की बोली मूल्यांकन टीम द्वारा उच्चतम स्कोर, 5 में से 4.2 प्राप्त हुआ।

2034 विश्व कप पहली बार विस्तारित 48-टीम टूर्नामेंट को केवल एक देश में आयोजित किया जाएगा। 48-टीम टूर्नामेंट की मेजबानी पहली बार 2026 विश्व कप में तीन देशों, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको द्वारा की जाएगी। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने फीफा कांग्रेस के समापन से पहले मेजबान देशों को बधाई दी।

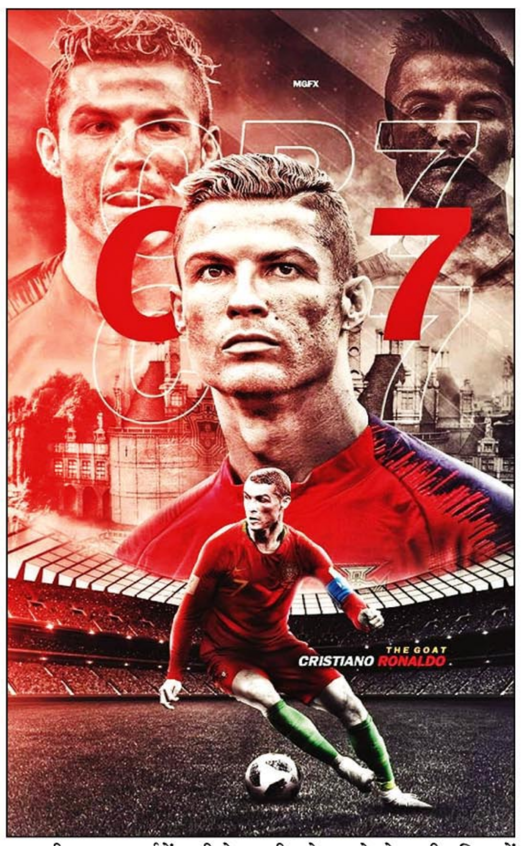

ओडिशा एफसी पर जीत से पूरी होगी ईस्ट बंगाल एफसी की हैट्रिक

कोलकाता। ईस्ट बंगाल एफसी और ओडिशा एफसी गुरुवार शाम विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (वीवाईबीके) में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में आमने-सामने होंगी, तो रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड का इरादा लगातार तीसरी क्लीन शीट हासिल करते हुए जीत की हैट्रिक लगाना होगा। दिलचस्प बात यह है कि रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड को इस सीजन में पिछली हार अक्टूबर में ओडिशा के हाथों 1-2 से मिली थी। ओडिशा एफसी 11 मैचों में चार जीत, 4 ड्रा और तीन हार से 16 अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर हैं। ईस्ट बंगाल एफसी नौ मैचों में दो जीत, एक ड्रा और छह हार से सात अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर है। उसने क्लीन शीट रखते हुए अपने पिछले लगातार दो मैच जीते हैं और वो इस लय को खोना नहीं चाहेंगी। ईस्ट बंगाल के पास आईएसएल में जीत की हैट्रिक लगाने का मौका होगा, जिसे हेड कोच ऑस्कर ब्रुज़ोन की रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड पाना चाहेगी। उन्होंने अपने पिछले दो घरेलू मैचों में क्लीन शीट हासिल करके रक्षात्मक अनुशासन दिखाया है। ओडिशा ने आईएसएल 2024-25 के दौरान हर 43 मिनट में गोल किया है, जो इस सभी टीमों में सबसे तेज है। अब तक उनके 23 गोल किसी भी सीजन में 11 मैचों के बाद सबसे ज्यादा हैं। ओडिशा ने छह अवे मैचों में लगातार गोल खाए थे, लेकिन उन्होंने अपने पिछले मैच में हैदराबाद एफसी को 6-0 को रौंदकर यह सिलसिला तोड़ा था। ईस्ट बंगाल एफसी के स्पेनिश हेड कोच ऑस्कर ब्रुज़ोन ने रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड के प्रदर्शन को सराहा, लेकिन कहा कि उन्हें इस सीजन में लंबा रास्ता तय करना है।

रॉयल एनफील्ड के आइस हॉकी कोच प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन, 13 कोचों को किया गया प्रशिक्षित

गुरुग्राम

रॉयल एनफील्ड ने अपनी सामाजिक मिशन योजना के तहत हिमालयी क्षेत्र में आइस हॉकी के विकास के उद्देश्य से 8 दिसंबर को गुरुग्राम के आईस्केट में आइस हॉकी कोच प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत की थी, जिसका आज समापन हुआ। इस शिविर के तहत लद्दाख के 19 और हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति क्षेत्रों के 13 कोचों को प्रशिक्षित किया गया।

ये प्रशिक्षित कोच सामुदायिक लीडर्स के रूप में 2025 रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग, लद्दाख और स्पीति कप के लिए 500 से अधिक खिलाड़ियों को खोजने और प्रशिक्षित करने का काम करेंगे।

यह पहल रॉयल एनफील्ड द्वारा दिसंबर 2023 में स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के सहयोग से जारी की गई 'द गेमचेंजर' नामक आइस हॉकी विकास की ब्लूप्रिंट के तहत की गई है। यह ब्लूप्रिंट भारतीय आइस हॉकी टीम को 2042 शीतकालीन ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाने के लिए एक कार्य योजना प्रदान करता है। शिविर के महत्व को आइस हॉकी के विकास की एक नींव के रूप में रेखांकित करते हुए, आयशर ग्रुप फाउंडेशन (रॉयल एनफील्ड की सीएसआर शाखा) की कार्यकारी निदेशक बिदिशा डे ने कहा, आइस हॉकी लद्दाख में सर्दियों के कठोर महीनों के दौरान सबसे लोकप्रिय खेल के रूप में सामुदायिक भावना को प्रेरित करता है और व्यापक रुचि उत्पन्न करता है। यह हिमाचल प्रदेश में भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह शिविर एक रणनीतिक हस्तक्षेप है जो इन कोचों को अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुसार सामुदायिक खिलाड़ियों को गुणवत्ता प्रशिक्षण देने में सक्षम बनाकर गुणात्मक प्रभाव डालेगा।

डैरिल ईसन द्वारा तैयार और संचालित यह शिविर 2024/25 आइस हॉकी सीज़न का शुभारंभ करता है। डैरिल 35 वर्षों के अपने विविध अनुभव के साथ यूनाइटेड किंगडम और हंगरी जैसी राष्ट्रीय आइस हॉकी टीमों को प्रशिक्षित कर चुके हैं। उन्होंने इंटरनेशनल आइस हॉकी फेडरेशन के साथ अपनी भूमिका के दौरान खेल के विकास की दिशा में भी काम किया है।

विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप

बुडापेस्ट में विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप में अवार्ड समारोह में पोज देती हुई स्वर्ण विजेता लेनी पैलिस्टर , रजत विजेता इसाबेल गोस और कांस्य विजेता जर्मनी की कैटी ग्रिम्स।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में धीमी ओवर गति के कारण भारतीय महिला क्रिकेट टीम पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली

रविवार को ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज के दूसरे वनडे में धीमी ओवर गति के लिए भारत पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। मैच रेफरी डेविड गिल्बर्ट ने यह जुर्माना तब लगाया जब समय सीमा को ध्यान में रखते हुए भारत को निर्धारित लक्ष्य से दो ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया।

खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में गेंदबाजी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध के लिए दोषी होने की बात मान ली और प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी।

ऑन-फील्ड अंपायर क्लेयर पोलोसाक और डोनोवन कोच, तीसरे अंपायर जैकलीन विलियम्स और चौथे अंपायर डेविड टेलर ने आरोप लगाए।

बता दें कि ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 3-0 से शकस्त दी।

बिहार सरकार ने मोइन-उल-हक स्टेडियम बीसीए को किया हस्तांतरित, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का रास्ता साफ

पटना

बिहार सरकार ने मंगलवार को मोइन-उल-हक स्टेडियम के लिए भूमि की रजिस्ट्री बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) को 30 साल की लंबी अवधि के पट्टे पर हस्तांतरित कर दी। पटना में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की मेजबानी और राज्य के क्रिकेटरों को अत्याधुनिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम प्रदान करने के लिए बिहार सरकार और बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) द्वारा उठाया गया यह एक बड़ा कदम है।

इसके अलावा सरकार ने पूर्व में घोषित लगभग 37 करोड़ रुपये की भूमि रजिस्ट्री फीस माफ कर दी।

रजिस्ट्री दस्तावेजों पर बिहार सरकार की ओर से खेल विभाग के निदेशक महेंद्र कुमार और बीसीए की ओर से अध्यक्ष राकेश तिवारी ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर खेल विभाग के उप निदेशक संजय कुमार, पटना जिला खेल पदाधिकारी ओम प्रकाश, बीसीए सचिव जियाउल आफरीन, जीएम एडमिन नीरज राठौर समेत कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। भूमि रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी होने के बाद बीसीए अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी ने घोषणा की कि नए साल में खरमास समाप्त होने के बाद स्टेडियम निर्माण शिलान्यास समारोह की तिथि घोषित की जाएगी और जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू होगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए राकेश तिवारी ने कहा, बिहार सरकार ने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी है। अब बिहार क्रिकेट एसोसिएशन को अपना काम शुरू करना है। बीसीए निर्माण में तेजी लाकर दो से तीन साल के अंदर बिहार के लोगों को विश्वस्तरीय स्टेडियम उपलब्ध कराएगा, जहां वे अंतरराष्ट्रीय मैचों का लुत्फ उठा सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि 6 नवंबर को एक भव्य समारोह के दौरान बिहार सरकार और बीसीए के बीच मोइन-उल-हक स्टेडियम को क्रिकेट संस्था को सौंपने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा भी शामिल हुए थे।

मोइन-उल-हक स्टेडियम को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम और खेल परिसर के रूप में विकसित किया जाएगा।

स्टेडियम में 40,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी, साथ ही 76 कॉरपोरेट बॉक्स और 250 वीआईपी के लिए व्यवस्था होगी। इसके अतिरिक्त, खेल परिसर में बैडमिंटन कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, स्विमिंग पूल, एक पांच सितारा होटल, खिलाड़ियों के लिए एक पूरी तरह सुसज्जित छात्रावास, रेस्तरां, एक क्लब हाउस और अन्य आधुनिक सुविधाएं होंगी।

यहां होती है चमगादडों की पूजा

वैसे तो आपने चमगादड़ों को देखा होगा, लेकिन बिहार के वैशाली जिले के राजापाकर प्रखंड के सरसई (रामपुर रत्नाकर) गांव में चमगादडों की न केवल पूजा होती है, बल्कि लोग मानते हैं कि चमगादड़ उनकी रक्षा भी करते हैं। इन चमगादड़ों को देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। यहां लोगों की मान्यता है कि चमगादड़ समृद्धि की प्रतीक देवी लक्ष्मी के समान हैं। सरसई गांव के एक बुजुर्ग गणेश सिंह का मानना है कि चमगादड़ों का जहां वास होता है, वहां कभी धन की कमी नहीं होती। ये चमगादड़ यहां कब से हैं, इसकी सही जानकारी किसी को भी नहीं है। सरसई पंचायत के सरपंच और प्रदेश सरपंच संघ के अध्यक्ष आईएएनएस को बताते हैं कि गांव के एक प्राचीन तालाब (सरोवर) के पास लगे पीपल, सेमर तथा बथुआ के पेड़ों पर ये चमगादड़ बसेरा बना चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस तालाब का निर्माण तिरहुत के राजा शिव सिंह ने वर्ष 1402 में करवाया था। करीब 50 एकड में फैले इस भूभाग में कई मंदिर भी स्थापित हैं।

बीमारियों का खतरा कम करता है अखरोट

अखरोट में जितनी कैलोरी होने की बात कही है, असल में, अखरोट में उससे 21 फीसदी कम कैलोरी होती हैं। अखरोट खाने के कई फायदों को भी बता सकते हैं जिनमें कैंसर, हृदय और कुछ अन्य बीमारियों के खतरे को कम करना शामिल है। उन्होंने कहा कि हमारे शोध से लोगों की कैलोरी संबंधित चिंताओं को कम करने में मदद मिल सकती है और वे अपनी रोज की खुराक में इसे शामिल कर सकते हैं।

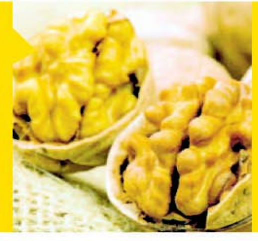

प्राकृतिक गुणों से भरपूर अनानास

अनानास सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम, फाइबर तथा विटामिन सी भरपूर मात्रा पाया जाता है और फैट बहुत कम होता है। गर्भावस्था में होने वाली मॉर्निंग सिकनेस की समस्या को कम करने में अनानास आपकी मदद कर सकता है। इस समस्या को कम करने के लिए खाली पेट अनानास को सेवन करना चाहिए। इसमें ब्रोमिलेन नामक तत्व सर्दी, खांसी, सूजन, गले में खराश और गठिया में फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं इसके फायदों के बारे में...

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं

अनानास के सेवन से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और इससे किसी भी तरह की एलर्जी का खतरा कम हो जाता है।

हड्डियां को बनाए मजबूत

इसमें मैग्नीशियम बहुत प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत और शरीर में एनर्जी को बनाएं रखने में मदद करता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

हर रोज अनानास खाने से बढ़ती उम्र के साथ कम होती आंखों की रोशनी का खतरा कम हो जाता है।

दिल की बीमारियों से बचाव

यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है। जिससे दिल की बीमारियों को रोकने में मदद मिलती है।

कैंसर की रोकथाम

इसका एंटीऑक्सीडेंट आपको हृदय रोग, गठिया, विभिन्न तरह के कैंसर जैसी बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं।

कैविटी से रखे दूर

यह मुंह के किसी भी प्रकार के बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकता है। जिससे दांतों में कैविटी की समस्या नहीं होती है।

उच्च रक्तचाप

अगर आप उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं तो अनानास आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता हैं। इसमें पोटेशियम की उच्च मात्रा और सोडियम की कम मात्रा रक्तचाप के स्तर को सामान्य बनाए रखने में मदद करती हैं।

ठंडी-ठंडी चिकित्सा पद्धति है क्रायोथेरेपी

क्रायोथेरेपी चिकित्सा की ऐसी पद्धति है जिसमें बर्फ के टुकड़े या ठंडे पानी के प्रयोग से दर्द का उपचार किया जाता है। इसका प्रयोग सबसे अधिक स्पोर्ट्स गतिविधियों के दौरान लगने वाली चोट के उपचार के लिए किया जाता है।

इसके अलावा क्रायोथेरेपी का प्रयोग प्रोस्टेट कैंसर और अनियंत्रित कोशिकाओं पर नियंत्रण पाने के लिए भी किया जाता है। क्रायोथेरेपी से शरीर के उस स्थान के बढ़े हुए तापमान को कम करता है, रक्त संचार की गति को बढ़ाता है, यह तंत्रिकाओं के वेग को भी कम कर देता है जिसके कारण दर्द को काबू में आ जाता है। इस लेख में विस्तार से जानिए इसका प्रयोग कैसे होता है और इसके विभिन्न तरीके क्या-क्या हैं।

कब प्रयोग करें

- चोट के कारण होने वाले वाले तेज दर्द को कम करने के लिए
- सूजन को कम करने के लिए
- शरीर के कोमल (tenderness) क्षेत्रों के उपचार के लिए
- मांसपेशियों में खिंचाव या ऐंठन होने पर
- कुछ भड़काऊ स्थितियों (bursitis, tenosynovitis, tendinitis) में।
- अधिक दबाव के कारण होने वाले दर्द में
- डीप वेन थ्रोम्बोसिस होने पर

कब प्रयोग न करें

- खुले घावों में इसका प्रयोग न करें
- उच्च रक्तचाप होने पर
- हृदय रोगों में
- त्वचा संक्रमण होने पर
- सनसनी होने पर
- शीत पित्ती (Cold Urticaria) में।

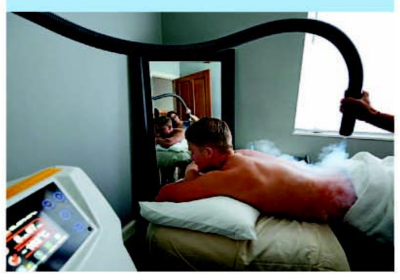

कोल्ड पैक्स

इस तरह का उपचार बर्फ के टुकड़े को तौलिये में या फिर आइस पैकेट में रखकर किया जाता है। यह शरीर के किसी हिस्से में होने वाले दर्द या फिर ऐंठन की समस्या को दूर करता है।

कोल्ड व्हर्लपूल मेथॉड

क्रायोथेरेपी से उपचार के इस तरीके में किसी टब में पानी भरकर उसे ठंडा कर दिया जाता है, फिर शरीर के जिस हिस्से का उपचार होना होता है उसे टब में डालकर शरीर के हिस्से को हिलाया जाता है। पैरों की समस्याओं के उपचार के लिए यह तरीका अधिक प्रयोग किया जाता है।

आइस इमर्सन

इस तरीके का प्रयोग एथलीटों या फिर स्पोर्ट्स गतिविधियों में लगे रहने वाले लोगों के लिए किया जाता है। इस तकनीक में पूरे टब में बर्फ के टुकड़े डाले जाते हैं उसके बाद मरीज को उस टब में घुसाया जाता है।

क्रायोथेरेपी यानी आइस थेरेपी दर्द की समस्या से निजात दिलाने वाला बहुत ही सामान्य और अच्छा तरीका है जिसका प्रयोग हर कोई आसानी से कर सकता है।

आइस मसाज

इस तरीके में बर्फ के टुकड़े को सीधे तौर पर चोट वाली जगह पर लगाया जाता है। दर्द को दूर करने के लिए यह बहुत ही सामान्य और असरदार तरीका है।

कीटनाशकों के प्रयोग से फैलता है नोरोवायरस

नोरोवायरस एक प्रकार का कीड़ा होता है जिसका वायरस यदि शरीर में प्रवेश कर जाएं तो उल्टियां होती हैं। हालांकि यह किसी भी मौसम में हो सकता है। इस संक्रामक वायरस के कारण गंभीर उल्टी और दस्त की समस्या होती है। कुछ अध्ययनो से पता चला है कि ये वायरस कीटनाशकों की वजह से फैल सकता है, तो चलिये जानें कि

नोरोवायरस क्या है, इसके जोखिम क्या हैं और यह किस प्रकार फैल सकता है। यह वायरस बेहद तेजी से फैलता है और इससे संक्रमित होने पर फ्लू जैसे लक्षण नजर आते हैं जिनमें पेट दर्द तथा उल्टी भी शामिल होते हैं।

कैसे फैलता है नोरोवायरस

किसानों द्वारा कीटनाशकों के मिश्रण को पतला करने के लिए प्रयोग किए जाने वाला गंदा पानी नोरोवायरस फैला सकता है। दरअसल किसान कीटनाशकों के मिश्रण को पतला करने के लिए कुओं, सिंचाई होदियों, नदियों, और झीलों जैसे स्रोतों से पानी लेते हैं। और इन सभी पानी के स्रोतों में नोरोवायरस भरे होते हैं।

भोजन के माध्यम से भी फैलता है नोरोवायरस

नोरोवायरस अपके भोजन के माध्यम से भी फैल सकता है। नोरोवायरस रेस्तरां में बनाए गए और डिब्बे बंद खाद्य पदाथों में हो सकता है। क्योंकि इन खाद्य पदार्थों में कई सारी अलग-अलग सामग्री होती हैं, नोरोवायरस किस खाद्य पदार्थ से शरीर में गया है, पता लगाना मुश्किल होता है। कई प्रकार के तैयार खाने व खाद्य पदार्थों जैसे, सलाद, सैंडविच, बर्फ, कुकीज, और फल भी इसके लिए जोखिम कारक बन सकते हैं। यदि खाने के बाद उल्टी या दस्त की समस्या हो तो यह नोरोवायरस संक्रमण के कारण भी हो सकता है। ज़रूरी नहीं कि इस संक्रमण के लक्षण तुरंत दिखाई दें, हो सकता है कि कुछ दिनों बाद आपको इसके लक्षणों का अनुभव हो।

ध्यान रहे कि भोजन को गर्म करना इस वायरस से छुटकारा पाने के लिए पर्याप्त नहीं होता। नोरोवायरस 140 डिग्री फेरनहाइट तक ताप पर जीवित रह सकते हैं। यह वायरस ठंड से जमाने पर भी जीवित रह सकता है।

टॉयलेट सीट से भी ज्यादा गंदी पानी की बोतल!

एक पानी की बोटल को बार-बार इस्तेमाल न करें। ये आपकी टॉयलेट सीट से भी ज्यादा गंदी हो सकती है और कई तरह से आपको नुकसान पहुंचा सकती है। वैज्ञानिकों ने हालिया शोध में पाया है कि प्लास्टिक की पानी की बोतलों का इस्तेमाल लंबे समय तक बार बार करना सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। शोधकर्ताओं के अनुसार बोतल पर जमा होने वाले बैक्टीरिया में से करीब साठ प्रतिशत कीटाणुं ऐसे होते हैं जो आपको बीमार कर सकते हैं। इसके चलते डायरिया, फूड प्वाइजनिंग, नॉजिया और उल्टी जैसी समस्याएं आमतौर पर होने का खतरा रहता है। शोध में इस्तेमाल की गई ऐसी बोतलों का लैब में परीक्षण किया गया। चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पाया गया कि उसके एक सेंटीमीटर के एरिया में करीब नब्बे हजार कीटाणु थे, जो एक टॉयलेट सीट पर इतने क्षेत्र में मौजूद कीटाणुओं से कहीं ज्यादा है। बोतल के मुंह पर सबसे ज्यादा कीटाणु पाए गए। वहीं स्ट्रॉ के ऊपरी हिस्से पर भी उतने ही बैक्टीरिया मिले। बोतल धोने से भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता। धोने के बावजूद बैक्टीरिया थोड़ी देर के लिए ही खत्म होते हैं, फिर पनप जाते हैं। तो आपको समझ में आ गया होगा कि जिस पानी की बोटल का आप बार-बार पानी पीने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, वह आपके लिए किस हद तक खतरनाक साबित हो सकती है।

इन नुस्खों से मिलेगी दो मुंहे बालों से मुक्ति

वैसे तो हर महिला को लंबे, काले, घने और रेशमी बालों चाहिए, लेकिन बदलती लाइफस्टाइल और प्रदूषण के चलते आजकल बाल बहुत डेमेज होते हैं पार्लर में न करें पैसा बर्बाद वैसे तो हर महिला को लंबे, काले, घने और रेशमी बालों चाहिए, लेकिन बदलती लाइफस्टाइल और प्रदूषण के चलते आजकल बाल बहुत डेमेज होते हैं। बालों का दुमुहां होना आम समस्या है। महिलाएं अक्सर पार्लर में पैसा खर्च करके अपने बाल कटवाती हैं। लेकिन कुछ टिप्स अपनाकर इन दोमुहें बालों से मुक्ति पा सकते हैं।

पपीता और दही: पपीते और दही का घरेलु पैक लगाएं। 150 ग्राम पपीता और आधा कप दही मिलाएं और बालों में लगाएं। फिर ठंडे पानी से धो लें।

अंडे का मास्क: अंडे का पीला भाग, तीन टेबल स्पून ऑलिव ऑयल और एक टेबल स्पून शहद मिलाएं। पैक को बालों में 20 से 30 मिनट तक लगा रहने दें। फिर शैंपू से धो लें।

हॉट ऑयल ट्रीटमेंट: दो मुहें बालों के लिए हॉट ऑयल ट्रीटमेंट भी काफी अच्छा है। यह काफी असरदार माना जाता है।

शहद के साथ दही: यह एक नेचुरल कंडीशनर है। इसके और अच्छा रिजल्ट पाने के लिए दही भी मिला दें। एक कप दही में एक टेबल स्पून शहद मिलाएं और उसे जड़ों पर लगाते हुए सिरों तक लगाएं। उसके बाद इस पैक को धो लें।

सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं लोग

सफलता की होड़ में उधड़ते मानवीय रिश्ते

पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव ने हमारे देश में भौतिकवाद को प्रोत्साहन दिया है और अब तो पढ़े लिखे हों या नहीं सभी सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं। भारतीय अध्यात्म ज्ञान के बारे में जानते सभी हैं पर उसे धारण करना लोगों को अब पिछड़ापन दिखाई देता है। नतीजा यह है कि समाज में आपसी रिश्ते एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

सिर्फ सांसारिक शिक्षा काफी नहीं

अक्सर अनेक लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे उनसे दूर हो रहे हैं अथवा उनकी देखभाल नहीं करते। इसके दो कारण होते हैं एक तो यह कि नए सामाजिक परिवेश से तालमेल न बिठा पाने के कारण लोग अपने माता-पिता को त्याग देते हैं या फिर वह व्यवसाय के सिलसिले में उनसे दूर हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों का विश्लेषण करने पर अनुभव होगा कि आधुनिक युग के समस्त माता-पिता अपने बच्चों से यह अपेक्षा करते हैं कि वह इस मायावी दुनिया में उच्च से उच्च पद प्राप्त कर, अधिक से अधिक धनार्जन करें और भरपूर मान प्रतिष्ठा की दुनिया में चमककर उनका व अपना नाम रोशन करें। लोग बच्चों की कामयाबी के सपने देखते हैं और केवल सांसारिक शिक्षा तक ही अपने बच्चों को सीमित रखते हैं। किसी तरह अपना पेट पालो यही सिखाते हुए वह ऐसा अनुभव करते हैं कि जैसे कि वह दुनियां का कोई विशेष ज्ञान दे रहे हैं। यह तो एक सामान्य चतुराई है, जिसे सब जानते हैं।

सभी सुविधाओं के बाद भी अशांत रहता है मन

यह उन माता-पिता का भ्रम है कि शिक्षा तो सभी स्वत: ही प्राप्त करते हैं पर जिन बच्चों को उनके माता-पिता इसके साथ ही अध्यात्म ज्ञान, ईश्वर भक्ति और परोपकार करना सिखाते हैं वह अधिक योग्य निकलते हैं। जब तक आदमी के मन में अध्यात्म का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह न तो स्वयं कभी प्रसन्न रह पाता है और न ही दूसरों को प्रसन्न करता है। आज समस्त सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी बहुत सभी लोगों का मन अशांत रहता है, क्योंकि मानव को परमात्मा के ज्ञान का प्रत्यक्ष बोधकर शांति, सत्य, अहिंसा एवं नि:स्वार्थ प्रेम का वातावरण स्थापित करने का समय नहीं है। वह तो पैसे कमाने और सफलता की दौड़ में सबसे आगे निकलना चाहते हैं। मनुष्य जीवन में भक्ति और ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा मिलती है पर उसका उपयोग नहीं कर हम उसे ऐसे ही नष्ट कर डालते हैं। ऐसे में वह ज्ञानी धन्य है जो दाल-रोटी खाकर पेट भरते हुए भगवान भजन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समय निकालते हैं।

प्राणघातक हो सकती है कैल्शियम की कमी

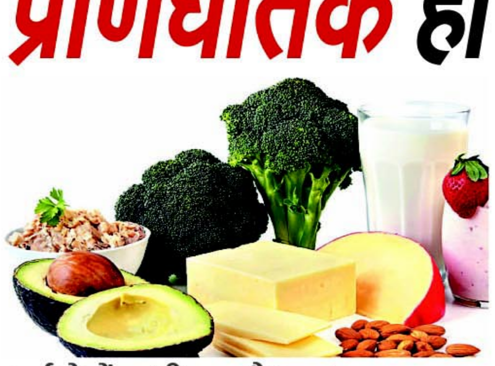

कई रोगों पर भी पड़ता है असर...

यदि व्यक्ति के भोजन में लगातार कैल्शियम या विटामिन 'डी' की कमी चलती रहे तो उसकी हड्डियां कमजोर हो जाएंगी। नए शोधों के अनुसार कैल्शियम की कमी का कई रोगों पर भी प्रभाव पड़ता है।

शरीर होता है कमजोर

हमारे भोजन से हड्डियों को कैल्शियम मिलने और हड्डियों से शरीर को कैल्शियम मिलने की प्रक्रिया के लिए विटामिन 'डी' की उपस्थिति अनिवार्य है। विशेषज्ञों के अनुसार हर वयस्क को न्यूनतम 1000 मिलीग्राम कैल्शियम की दैनिक आपूर्ति होनी आवश्यक है। यदि भोजन से इतना कैल्शियम नहीं मिल पाता तो हमारे शरीर को पैराथायराइड हार्मोन विटामिन 'डी' के सहयोग से हड्डियों से रक्त का कैल्शियम स्थानांतरित कर देता है। जिससे हमारे शरीर में कमजोरी की शिकायत आने लगती है।

अपने आहार को करें संयोजित...

हम अपने आहार को इस प्रकार संयोजित करें कि हमें लगभग 1200 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन मिलता रहे। 240 मिली गाय के दूध में 288 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 200 ग्राम दही में 268 मिग्रा कैल्शियम होता है। 100 ग्राम सूखे नारियल में 400 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 100 ग्राम खजूर में 120 मिग्रा कैल्शियम होता है। गुड़, पनीर, सोयाबीन, फूलगोभी व मछलियों में भी कैल्शियम पाया जाता है।

पेट के कैंसर से करता है बचाव...

हमारे शरीर में बहुत से सेल बनते रहते हैं और समाप्त होते रहते हैं। पेट के अंदर ऐसे सेल प्राय: 3 से 10 दिन में बदल जाते हैं पर कभी-कभी ये सेल तीव्र गति से बढ़ने लगते हैं, जिससे पेट के कैंसर की संभावना हो सकती है। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित एक लेख के अनुसार जिन लोगों में पेट के कैंसर की संभावना थी, उन्हें 1500 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन दिए जाने पर सेलों में बढ़ोत्तरी ठीक हो गई।

रेसिपी

ब्रेड कटलेट

सामग्री

4 ब्रैड स्लाइस,1 आलू(उबला हुआ), आधा कप मटर(उबले हुए),1 गाजर(कद्दूकस की हुई),1 कप गोभी(कद्दूकस की हुई), 2 टेबलस्पून ब्रेड क्रम्स, 1 प्याज (बारीक कटा),1 हरी मिर्च(कटी हुई),आधा चम्मच अदरक(कसा हुआ),गरम मसाला,1 छोटा चम्मच नींबू का रस, तेल, नमक स्वादानुसार,पानी,3-4 पनीर(टुकडों में कटा)

विधि

एक कड़ाही में तेल डालकर इसमें प्याज,अदरक और हरी मिर्च डालकर इसे हल्का गुलाबी होने तक भूनें। अब इसमें गाजर,मटर और गोभी डालें। अब इसमें गर्म मसाला डालकर मिक्स करके 1-2 मिनट के लिए भूनें और गैस बंद कर दें। ब्रेड को पानी में भिगोकर निचोड लें और इसे पकी हुई सब्जियों में डाल लें और अच्छे से मिलाएं। अब इसमें आलू,ब्रेड क्रम्स,नींबू का रस और नमक डाल कर मिलाएं। इस मिश्रण को टिकी का आकार दें और एक प्लेट में ब्रेड क्रम्स डालकर कटलेट को इसमें लपेट कर एक अलग प्लेट में रख लें। एक नॉन स्टिक पैन में तेल डालकर इसमें कटलेट को फ्राई करें। गोल्डन ब्राउन होने तक इसे तले। इन सबको प्लेट में निकाल कर ऊपर से पनीर के साथ गार्निश करके सॉस के साथ सर्व करें।

पास्ता बटर मसाला

सामग्री

1 कप पास्ता, 1 बड़ा चम्मच लहसुन(पिसा हुआ), आधा चम्मच अदरक(पिसा हुआ),1 टमाटर(कटा हुआ),2 प्याज(कटे हुए),1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाऊडर,1 छोटा चम्मच जीरा पाऊडर, आधा छोटा चम्मच कसूरी मेथी,2 कप दूध, 2 बड़ा चम्मच तेल,1 छोटा चम्मच हरा धनिया(कटा हुआ), स्वादानुसार नमक

विधि

सबसे पहले एक पैन में थोडा सा नमक मिलाकर इसमें 2-3 बूंद तेल,पास्ता और पानी मिलाकर उबालें। जब पास्ता पक जाए तो इसे पानी से निकाल कर रख दें। अब एक पैन में तेल डालकर इसमें प्याज, टमाटर, अदरक और लहसुन डालकर भूनें और थोडा ठंडा होने पर मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें। इसके बाद कड़ाही में तेल गर्म करके इलमें पीसा हुआ पेस्ट और नमक डालकर तेल छोड़ने तक भूनें और इसमें लाल मिर्च,गरम मसाला और जीरा डालकर गाढ़ा हाने तक पकाएं। इसके बाद इसमें दूध डाल दें। जब दूध और मसाले अच्छी तरह उबलकर सॉस बन जाए तो इसमें कसूरी मेथी और उबला हुआ पास्ता डालकर मिलाएं। गैस बंद करके गर्मागर्म पास्ते पर हरा धनिया डालकर सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**